संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शनिवार, 09 दिसंबर 2023 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 14 अंकः 329 पृष्ठः 08

RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

नई दिल्ली में राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार ने जनजातीय मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार संभाला।

फास्ट न्यूज

पिंपरी चिंचवड़ में मोमबत्ती बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग, छह लोगों की मौत

मुंबई : महाराष्ट्र में पिंपरी चिंचवड़ शहर के तलावड़े इलाके में एक मोमबत्ती बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगने की घटना सामने आई है। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम के आयुक्त शेखर सिंह ने यह जानकारी दी है। पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम आयुक्त शेखर सिंह ने हादसे की जानकारी देते हुए आगे कहा कि फायर ब्रिगेड को दोपहर करीब 2.45 बजे तलवाडे स्थित फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। जिसके बाद मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड कर्मियों ने आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। घायलों को पुणे और पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम क्षेत्र के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि फैक्ट्री में मोमबत्तियां बनाई जाती हैं जिनका इस्तेमाल आम तौर पर जन्मदिन समारोह के लिए किया जाता है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। हालांकि इसके कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

107 करोड़ की एमडी ड्रग जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

मुंबई। रायगढ़ जिले में स्थित खोपोली में आंचल केमिकल नामक दवा कंपनी में छापा मारकर पुलिस ने 107 करोड़ का एमडी पाउडर जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। खोपोली के ढेकू गांव में 'इंडिया इलेक्ट्रिक पोल्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी' के अंदर 'आंचल केमिकल' में एमडी ड्रग कंपनी चल रही थी। रायगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घारगे ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि पुलिस को आंचल केमिकल कंपनी में ड्रग बनाए जाने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर गुरुवार को इस कंपनी में छापा मारा गया और मौके पर 85 किलो 200 ग्राम एमडी पाउडर जब्त किया गया, जिसकी बाजार कीमत करीब 107 करोड़ रुपये है। इस्तेमाल होने वाले 15 लाख रुपये के कच्चे रसायन और 65 लाख रुपये की एमडी बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी भी जब्त की है।

देश को अपनी विरासत पर है गर्व : मोदी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले में आयोजित होने वाले पहले भारतीय कला, वास्तुकला और डिजाइन द्विवार्षिक (आईएडीबी), 2023 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। पीएम मोदी ने सात शोध प्रकाशनों का भी अनावरण किया।

लाल किला अपने आप में ऐतिहासिकः इस मौके पर उन्होंने कहा कि लाल किले का ये प्रांगण अपने आप में बहुत एतिहासिक है। ये किला केवल इमारत नहीं है यह एक इतिहास है। आजादी के पहले और आजादी के बाद कितनी ही पीढ़ियां गुजर गईं लेकिन लाल किला अडिग है और अमिट है। उन्होंने र्ल्ड हेरिटेज साइट लाल किले में आए सभी लोगों का अभिनंदन किया।

देश को अपनी विरासत पर गर्वः पीएम मोदी-पीएम मोदी ने कहा कि आज भी भारत की संस्कृति और हमारी प्राचीन धरोहरें पूरी दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। उन्होंने कहा कि देश आज के समय में अपनी विरासत पर गर्व की भावना को लेकर आगे बढ़ रहा है। देश कला और वास्तुकला से जुड़े हर क्षेत्र में आत्मगौरव की भावना से काम हो रहा है। भारत अमृतकाल में सांस्कृतिक समृद्धि के नए आयाम गढ़ रहा है, इसके लिए ठोस प्रयास कर रहा है।

आत्मनिर्भर भारत सेंटर फॉर डिजाइन दुर्लभ कलाओं को आगे बढ़ाने में सक्षमः पीएम मोदी ने कहा कि आज 'आत्मनिर्भर भारत सेंटर फॉर डिजाइन' का लोकार्पण हुआ है, जो भारत की अद्वितीय दुर्लभ कलाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। ये मंच कारीगरों और डिजाइनरों को एक साथ लाने और बाजार के हिसाब से उन्हें नई खोज करने में मदद करेगा।

भारत दुनिया के सबसे विविधतापूर्ण राष्ट्रः पीएम मोदी पीएम मोदी ने कहा कि हम दुनिया के सबसे विविधतापूर्ण राष्ट्र हैं और यही विविधता हमें आपस में भी जोड़ती है। उन्होंने आगे कहा कि मैं जिस शहर से सांसद हूं वह काशी है और काशी को अविनाशी कहते हैं।

मोदी ने कहा...

> 8 लाल किले का ये प्रांगण अपने आप में बहुत एतिहासिक है। ये किला केवल इमारत नहीं है यह एक इतिहास है।

चारों तरफ दिख रहे हैं डबल इंजन सरकार के डबल प्रयासः मोदी

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उत्तराखंड में डबल इंजन सरकार के डबल प्रयास चारों तरफ दिख रहे हैं। राज्य सरकार अपनी तरफ से जमीनी सच्चाई को समझते हुए यहां तेजी से काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने यह बातें शुक्रवार को देहरादून में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के उद्घाटन के मौके पर कही। इस दौरान प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और ग्राउंड ब्रेकिंग वॉल का अनावरण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सशक्त उत्तराखंड पुस्तक और ब्रांड हाउस ऑफ हिमालयाज भी लॉन्च किया। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के साथ अपने घनिष्ठ संबंध को दोहराते हुए कहा कि उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जहां दिव्यता और विकास एक साथ महसूस होता है। मैंने तो उत्तराखंड की भावनाओं और संभावनाओं को निकट से देखा है, मैंने उसे जिया है, अनुभव किया है। प्रधानमंत्री ने इस भावना को और विस्तार देने के लिए एक भी कविता सुनाई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सामर्थ्य से भरी ये देवभूमि निश्चित रूप से आपके लिए निवेश के बहुत सारे द्वार खोलने जा रही है। आज भारत, विकास भी और विरासत भी के जिस मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है, उत्तराखंड उसका प्रखर उदाहरण है।

अब वो दिन दूर नहीं जब दिल्ली-देहरादून की दूरी ढाई घंटे होगीः प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार 21वीं सदी के आधुनिक कनेक्टिविटी के इंफ्रास्ट्रक्चर पर उत्तराखंड में अभूतपूर्व इन्वेस्टमेंट कर रही है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों के बीच राज्य सरकार भी छोटे शहरों और गांव-कस्बों को जोड़ने के लिए पूरी शक्ति से काम कर रही है। आज उत्तराखंड में गांव की सड़कें हों या फिर चारधाम महामार्ग इन पर अभूतपूर्व गति से काम चल रहा है। वो दिन दूर नहीं जब दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे से दिल्ली और देहरादून की दूरी ढाई घंटे होने वाली है। देहरादून और पंतनगर के एयरपोर्ट के विस्तार से एयर कनेक्टिविटी सशक्त होगी। यहां की सरकार हैली-टैक्सी सेवाओं के राज्य के भीतर विस्तार दे रही है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग, इस रेल लाइन से यहां की रेल कनेक्टिविटी सशक्त होने वाली है।

धर्म नगरी के साथ विकास नगरी भी बन रहा उत्तराखण्ड

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उत्तराखंड धर्म की नगरी के साथ-साथ विकास की नगरी भी बन रही है। डबल इंजन की सरकार से राज्य लाभान्वित हो रहा है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को देहरादून में 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सामर्थ्य से भरी ये देवभूमि निश्चित रूप से आपके लिए बहुत सारे द्वार खोलने जा रही है। आज भारत विकास और विरासत के जिस मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है, उत्तराखंड उसका प्रखर उदाहरण है। राज्य की विकास हमारी प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड वो राज्य है जहां आपको धर्म और विकास दोनों का अनुभव एक साथ होता है। मैंने तो उत्तराखंड की भावनाओं और संभावनाओं को निकट से देखा है। उसे जिया है, अनुभव किया है। आपको आज देश में नीति-संचालित शासन दिखेगी, आपको आज राजनीतिक स्थिरता के लिए देशवासियों का मजबूत आग्रह दिखेगा। आकांक्षी भारत आज अस्थिरता नहीं चाहता है बल्कि वह आज स्थिर सरकार चाहता है।

देशवासियों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट का हिस्सा बनने का आह्वान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज (शुक्रवार) सुबह देशवासियों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) समिट 2023 (शिखर सम्मेलन) का हिस्सा बनने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आकर्षक कार्यक्रम है। यह एआई और नवाचार में प्रगति के जश्न का प्रतीक है। वैश्विक साझेदारी पर आधारित यह शिखर सम्मेलन 12 दिसंबर को शुरू होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स और लिंक्डइन पर जारी आह्वान संदेश में उम्मीद जताई है कि देशवासी इस जीवंत मंच का हिस्सा बनना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि यह विषय नवाचार ही नहीं, मानव प्रयास की शक्ति का भी प्रतीक है। इस शक्ति ने आज कल्पना को जीवंत कर दिया है। तीव्र प्रगति की तरंगों में एआई ऐसा क्षेत्र है जहां इसके अनुप्रयोगों का तेजी से विस्तार हो रहा है।

तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा की सदस्यता रद्द

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

लोकसभा ने सदस्यों के अनुचित आचरण की जांच करने वाली आचार समिति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा की सदस्यता रद्द कर दी। मोइत्रा पर पैसे और उपहार लेकर लोकसभा में सवाल पूछने का आरोप था। आचार समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा सदस्य विनोद सोनकर ने आज पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में समिति की रिपोर्ट लोकसभा में पेश की। दोपहर 12 बजे रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद सदन की दो बजे शुरू हुई कार्यवाही में रिपोर्ट पर विचार किया गया। करीब एक घंटे चली चर्चा के बाद रिपोर्ट की सिफारिशों का ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया गया। इस दौरान विपक्ष ने सदन से बाहिर्गमन किया। तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने मोइत्रा को सदन में समिति की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान अपना पक्ष रखने दिए जाने का आग्रह किया जिसे अध्यक्ष ओम बिरला ने अस्वीकार कर दिया। सदन में महुआ की सदस्यता रद्द करने का

रिपोर्ट को पढ़ने के लिए मिले और समयः कांग्रेस

नई दिल्ली। पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा से संबंधित आचार समिति की रिपोर्ट लोकसभा में शुक्रवार को विपक्ष के हंगामे के बीच पेश की गई।

विपक्ष की मांग के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस रिपोर्ट पर चर्चा के लिए आधा घंटे का समय तय किया, जिसे विपक्ष ने नाकाफी बताया है। कांग्रेस ने रिपोर्ट के अध्ययन के लिए तीन से चार दिन का समय मांगा है।

'अदालत के आदेश के बाद जागी महाराष्ट्र सरकार'

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक बार फिर शुक्रवार को महाराष्ट्र सरकार की निंदा की।उसने कहा कि महाराष्ट्र ने कोई कदम नहीं उठाया और अदालत के आदेश जारी करने के बाद ही जागी, जब उसे सूचित किया गया कि अग्नि सुरक्षा नियमों और विनियमों के लिए अधिसूचना मई 2024 तक जारी की जाएगी। गौरतलब है, शीर्ष अदालत ने इस साल फरवरी में एक विशेषज्ञ समिति द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के बावजूद अग्नि सुरक्षा नियमों और विनियमों के कार्यान्वयन को नजरअंदाज करने पर इस सप्ताह की शुरूआत में राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई थी। उसने कहा था कि हर दूसरे दिन मुंबई में आग लगने की कोई न कोई घटना होती है।

आयकर विभाग ने मारी छापेमारी, मिले 200 करोड़ कैश

टीम एक्शन इंडिया/रांची

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू और उनके करीबियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी में 200 करोड़ रुपये कैश बरामद किए गए हैं। गौरतलब है कि छापेमारी में 9 अलमारियां नोटों से भरी पाई गईं और नोटों को गिनने के लिए मशीनें मंगवानी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 200 करोड़ रुपये की गिनती हो चुकी है और अभी भी नोटों की गिनती चल रही है। ऐसे में जब्त रकम अभी और बढ़ सकती है।

नौ अलमारियों में मिले 200 करोड़ रुपये कैशः बता दें कि धीरज साहू एक बड़े उद्योगपति हैं और शराब बनाने वाली कंपनी बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज से जुड़े हैं। आयकर विभाग ने ग्रुप के झारखंड-ओडिशा और बंगाल के 10 ठिकानों पर छापेमारी की। आयकर विभाग ने बलदेव साहू कंपनी के बोलांगीर स्थित कार्यालय से 30 किलोमीटर दूर सतपुड़ा ऑफिस में छापेमारी में 200 करोड़ रुपये कैश बरामद किए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नोटों के बंडल ऑफिस की नौ अलमारियों में भरे रखे थे। नोट 500, 200 और 100 रुपये को गड्डियों में रखे थे। इतनी बड़ी संख्या में कैश मिलने के बाद आयकर विभाग की टीम ने मशीनों से नोट गिनकर 157 बैगों में भरा, जब बैग कम पड़ गए तो बोरियों में नोट भरे गए और उसके बाद एक ट्रक में डालकर इन्हें बैंक ले जाया गया।

दिसंबर के अंत तक पूरा हो जाएगा अयोध्या एयरपोर्ट का पहला चरण

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया ने शुक्रवार को बताया कि अयोध्या एयरपोर्ट के पहले चरण का काम दिसंबर के अंत पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में बन रहे मयार्दा पुरूषोत्तम श्री राम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का निर्माण कार्य दिसंबर के अंत तक पूरा हो जाएगा, यह हवाई अड्डा सरकार का फोकस क्षेत्र है।

तीन साल में शुरू हो जाएगी बुलेट ट्रेन परियोजना : सिंधिया ने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना का पहला खंड तीन साल में शुरू होने की उम्मीद है। नागरिक उड्डयन और इस्पात के लिए भारत में बुनियादी ढांचे में समग्र विकास विषय पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा केंद्रीय मंत्री ने कहा, "हम अपने पूंजीगत व्यय कार्यक्रम पर बहुत अधिक केंद्रित हैं। जहां तक हवाईअड्डों का सवाल है, हमारी 95,000 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना है, जिसमें सरकार द्वारा लगभग 25 प्रतिशत और निजी क्षेत्र द्वारा 75 प्रतिशत होगा।"

पीएम मोदी करेंगे अयोध्या एयरपोर्ट का उद्घाटनः अयोध्या हवाई अड्डे के बारे में पूछे जाने पर, सिंधिया ने कहा कि वह रोजाना के आधार पर परियोजना की निगरानी कर रहे हैं। एक चार्ट बनाया गया है, जिसमें प्रोजेक्ट में हो रही प्रगति को अपडेट किया गया है। उन्होंने कहा, "इस महीने के अंत तक मैं आपको आश्वासन दूंगा कि यह बनकर तैयार हो जाएगा और जब यह पूरा हो जाएगा, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे।"

2014 के बाद तेजी से बढ़ी हवाई अड्डों और हेलीपैड की संख्याः सिंधिया ने आगे कहा कि नवी मुंबई में दूसरा हवाई अड्डा और उत्तर प्रदेश में जेवर हवाई अड्डा अगले साल के अंत तक चालू हो जाएगा। हवाई अड्डे के क्षेत्र में आजादी के 65 वर्षों के बाद से केवल 74 हवाईअड्डे बनाये गए। 2014 के बाद से, देश में 75 हवाई अड्डे और हेलीपैड जोड़े गए, जिससे इनकी कुल संख्या 149 हो गई और 2030 तक इसकी संख्या और भी बढ़ जाएगी। रेलवे क्षेत्र पर बोलते हुए, सिंधिया ने कहा कि 2014 के बाद नई हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत के साथ परिवर्तन देखा गया।

बाबा बालकनाथ और रेणुका सिंह ने दिया था सांसद पद से इस्तीफा

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को भाजपा सांसद बाबा बालकनाथ और रेणुका सिंह का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राजस्थान के अलवर से सांसद रहे बालकनाथ ने राज्य के तिजारा से विधानसभा चुनाव जीतने के बाद इस्तीफा दे दिया था। छत्तीसगढ़ के सरगुजा से सांसद रहे सिंह ने भरतपुर-सोनहत निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव जीता था। कुल मिलाकर, विधानसभा चुनाव जीतने के बाद सत्तारूढ़ भाजपा के 12 सांसदों ने इस्तीफा दे दिया है। इसमें लोकसभा के 11 और राज्यसभा के एक सांसद शामिल हैं। इस्तीफा देने वाले अन्य सांसद मध्य प्रदेश से नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद पटेल, राकेश सिंह, उदय प्रताप सिंह और रीति पाठक हैं। वहीं, राजस्थान से राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी, किरोड़ी लाल मीना (राज्यसभा सांसद) ने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया है। वहीं, छत्तीसगढ़ से अरुण साव और गोमती साई भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री की सोच, रणनीति और उनके विचारों का विश्व के अन्य देश करते हैं अनुसरण : धामी

इन्वेस्टर्स समिट

8 गुजरात के महात्मा मंदिर कन्वेंशन एंड एग्जीबिशन सेंटर की भांति सेंटर का निर्माण किया जायेगा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के अन्य देश भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच, उनकी रणनीति और उनके विचारों का अनुसरण करते हैं। राज्य में इन्वेस्टर्स समिट के लिए अब तक 44 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इससे प्रदेश में स्थानीय लोगों के रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री धामी ने यह बातें शुक्रवार को देहरादून में आयोजित उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रदेश की समस्त जनता की ओर से स्वागत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि एक निवेशक को अच्छा व्यावसायिक वातावरण, अच्छी कानून व्यवस्था, इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली नीतियां और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ ही बेहतर स्वास्थ्य और आबोहवा भी चाहिए। यह सब उत्तराखंड के पास है। उत्तराखंड में गुजरात के महात्मा मंदिर कन्वेंशन एंड एग्जीबिशन सेंटर की भांति शीघ्र ही एक भव्य कन्वेंशन सेंटर का निर्माण किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि भारत में समय-समय पर अनेकों महापुरुषों ने मां भारती के मुकुट की शोभा बढ़ाने और समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य किया है। इनमें से कई ऐसी विभूतियां हैं जिनके बारे में हमने केवल सुना है, उन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा नहीं है। लेकिन जब हम आज प्रधानमंत्री की ओर देखते हैं तो हमें उन सभी महान विभूतियों का अंश उनमें दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जिस कठिन परिश्रम से भारत को पुनः विश्व गुरू बनाने के लिए प्रयत्नशील हैं, वह एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों में आशा और विश्वास का बीज भी रोपित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के सीएम रहते हुए वाईब्रेंट गुजरात नाम से इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन शुरू किया गया था। उसी से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने डेस्टिनेशन उत्तराखंड की थीम पर इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया है। हमारी कोशिश रहेगी कि हर 02 वर्ष के अंतराल में इस समिट का आयोजन हो।

उन्होंने कहा कि डेस्टिनेशन उत्तराखंड का मुख्य उद्देश्य, ग्रीन इकोनॉमी और रोजगार को लेकर इकोलॉजी और इकोनॉमी के समन्वय द्वारा राज्य का समग्र विकास करना है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में ढाई लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को प्राप्त करने का लक्ष्य था। अभी तक लक्ष्य से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर करार हो गये हैं। 44 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है।

उत्तराखंड के वीर सपूत जनरल बिपिन रावत देश का गौरव थे: मुख्यमंत्री धामी

पुष्पांजलि

8 पुण्यतिथि पर देहरादून के कनक चौक पहुंच कर उनकी प्रतिमा पर धामी ने पुष्पांजलि अर्पित की।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को प्रथम सीडीएस जनरल विपिन रावत की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर देहरादून के कनक चौक पहुंच कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रथम रक्षा प्रमुख, उत्तराखंड के वीर सपूत जनरल बिपिन रावत देश का गौरव थे। उन्होंने चार दशकों तक मातृभूमि की रक्षा में निस्वार्थ सेवा की। उन्हें सदैव असाधारण वीरता तथा साहस के लिए याद किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपस्थित भूतपूर्व सैनिकों से मुलाकात की तथा उनसे बातचीत की। इस मौके पर मंत्री गणेश जोशी भी उपस्थित थे।

न्यूज फ्लैश

प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे देहरादून

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज (शुक्रवार) सुबह एक दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड की राजधानी देहरादून पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री कुछ ही देर में वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में दो दिवसीय "उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेटर्स-2023" समिट का शुभारंभ करेंगे।

प्रधानमंत्री के चौपर ने आईएमए में लैंड किया है। यहां से सड़क मार्ग से प्रधानमंत्री एफआईआर पहुंचेंगे। फिर सशक्त उत्तराखंड प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 44,000 करोड़ के प्रोजेक्ट्स के ग्राउंडिंग का शुभारंभ करेंगे। इसमें मैन्युफैक्चरिंग और टूरिज्म सेक्टर से जुड़े 16 प्रोजेक्ट शामिल हैं।

उद्घाटन सत्र में आठ प्रमुख वक्ता के रूप में देश के चुनिंदा उद्योगपति शामिल होंगे। इस समिट में देश- दुनिया के हजार से अधिक इन्वेस्टर और डेलीगेट्स हिस्सा ले रहे हैं। समिट की थीम "पीस टू प्रॉस्पेरिटी" है। प्रधानमंत्री मोदी उद्घाटन सत्र के बाद वापस दिल्ली लौट जाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समिट को लेकर सभी तैयारी पूरी हो चुकी हैं। प्रदेश सरकार ने समिट में ढाई लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया था। इस लक्ष्य को पूर्ण कर लिया गया है। इन्वेटर्स समिट को लेकर शहर को दुल्हन ही तरह सजाया गया है।

जैमिट ने द फ्यूचर फाउंडेशन के साथ की साझेदारी

-शिक्षकों और छात्रों के विकास के लिए स्कूलों को दिया जायेगा अनुदान (ग्रांट्स) और छात्रवृत्ति (स्कालरशिप)

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
स्कूलों के लिए समाधान प्रदान करने वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित प्रमुख शैक्षिक संस्था जैमिट ने द फ्यूचर फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है। गौरतलब है कि द फ्यूचर फाउंडेशन एक गैर लाभकारी संस्था है जो स्कूलों में बच्चों और शिक्षकों को सशक्त बनाती है और उन्हें स्किल सिखाती है ताकि वे 21वीं सदी में उन्नति की राह पर चल सकें। साझेदारी के तहत फ्यूचर फाउंडेशन ने 40 लाख रुपये की राशि देने का वादा किया है। यह राशि 31 मार्च, 2024 से पहले जैमिट द्वारा प्रस्तावित फ्यूचर रेडीनेस कार्यक्रमों के लिए साइन अप करने वाले स्कूलों को स्पांसर करने के लिए दिया जायेगा। फ्यूचर फाउंडेशन स्कूल की ओर से 100 प्रतिशत शुल्क स्पांसर करेगा। इससे जैमिट को पूरे भारत में बड़ी संख्या में स्कूलों तक पहुंचने में सुविधा होगी और फ्यूचर रेडीनेस में छात्रों के विकास को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों को आवश्यक उपकरणों और संसाधनों से लैस किया जा सकेगा।

इस पहल के माध्यम से ओरिजनल रिसर्च करने के लिए छात्रों को छात्रवृत्ति और शिक्षकों को ग्रांट्स (अनुदान) भी प्रदान किया जायेगा। जो छात्रवृत्ति दी जायेगी वह छात्रों की पढ़ाई में लगायी जायेगी। इसके अलावा यह छात्रवृत्ति की राशि उन्हें जैमिट के छात्रों के लिए नौ आयामों (जेडक्यू) और शिक्षकों (टर्म) के अनुसार 21 वीं सदी के लिए जरूरी स्किल विकसित करने में सक्षम बनाएगी।

द फ़्यूचर फाउंडेशन द्वारा दिए जाने वाले ग्रांट्स (अनुदान) से न केवल छात्र बल्कि शिक्षक भी लाभान्वित होंगे क्योंकि फ़्यूचर फाउंडेशन द्वारा उन्हें स्किल और नॉलेज इंटीग्रेटेड लर्निंग डोमेन में ओरिजनल रिसर्च करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ये रिसर्च पहल शैक्षिक परिदृश्य को मजबूत करने और समग्र शिक्षा प्रदान करने की जैमिट की प्रतिबद्धता के अनुरूप एजुकेशन एक्सीलेंस (शिक्षण उत्कृष्टता) के विकास में योगदान करने के लिए डिजाइन की गई हैं।

जैमिट के सीईओ अभिजीत मुखर्जी ने साझेदारी पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले तीन सालों में जैमिट ने कई स्कूल लीडर्स, एजुकेशनिस्ट, छात्रों और अभिभावकों से मुलाकात की। हर कोई जानकारी के साथ स्किल सीखने की कवायद में समस्या का सामना कर रहा था।

इस समस्या का हल उनके पास नहीं था। इसलिए जैमिट ने ब्रिटेन के क्यूएआई (क्यूएआई, यूके) से साझेदारी करके इस समस्या का समाधान करने के लिए स्कूलों में एक अंतरराष्ट्रीय ढांचा और एक रिसर्च कार्यक्रम चलाने का जिम्मा उठाया।

एक किलो 100 ग्राम गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से एक किलो 100 ग्राम गांजा बरामद किया है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शंकर सिंह बिष्ट ने बताया कि पुलिस ने काले की ढाल के पास से संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक व्यक्ति को रोककर चेक किया तो उसके पास से कुल 1 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपित का नाम जान सिंह पुत्र फूल सिंह निवासी सपेरा बस्ती ओल्ड राजपुर रोड, राजपुर देहरादून हाल निवासी काले की ढाल ऋषिकेश बताया है।

खेल महाकुंभ के दूसरे दिन कराटे प्रतियोगिताओं का आयोजन

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
हल्द्वानी मिनी स्टेडियम में जनपद स्तरीय खेल महाकुंभ 2023 के दूसरे दिन प्रतियोगिता के बारे में जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रतीक जोशी ने बताया कि दूसरे दिन जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिताओं में अंडर 17 बालक 50 किग्रा वर्ग में अमन जोशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि 55 किग्रा वर्ग में आयुष्मान सिंह रावत प्रथम, लक्की नेगी द्वितीय तथा जीत पाण्डे एवं जतिन आर्या तृतीय, 61 किग्रा वर्ग में आदित्य सिंह गुसाईं प्रथम, कनिष्क बिष्ट द्वितीय तथा रोहित कुमार एवं आदित्य श्रीवास्तव तृतीय, 68 किग्रा वर्ग में आदित्य बिष्ट प्रथम, यशराज महरा द्वितीय तथा हिमांशु रौतेला एवं काव्य श्रीवास्तव तृतीय, 76 किग्रा वर्ग में पीयूष बिष्ट प्रथम तथा दक्ष चन्द्र ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह अंडर 17 बालिका कराटे में 40 किग्रा वर्ग में किरन तिवारी प्रथम स्थान पर रही। इसी प्रकार दीया गुप्ता द्वितीय तथा विनम्रता लोहनी एवं मानसी पपने तृतीय, 48 किग्रा वर्ग में भूमिका आर्या प्रथम, प्रतिष्ठा जोशी द्वितीय तथा राखी रावत एवं फरूणा लेखरा तृतीय, 53 किग्रा वर्ग में फरीन सैफी प्रथम, लक्ष्मी द्वितीय, तथा रीता बिष्ट एवं तनुजा अगरटनिया तृतीय, 59 किग्रा वर्ग में कनिका प्रथम तथा भव्या गुसाईं द्वितीय, 59 किग्रा में सौम्या भंडारी प्रथम, ऐंजल सक्सेना द्वितीय तथा वैशाली बिष्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर 19 बालक कराटे में 50 किग्रा वर्ग में प्रिंस लेखरा प्रथम एवं भुवराज सिंह खाती ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 55 किग्रा वर्ग में हर्ष कुमार आर्या प्रथम, सूरज पटवाल द्वितीय, 60 किग्रा दिवाकर आर्या प्रथम, 67 किग्रा हर्षित जोशी प्रथम तथा मोहित कुमार द्वितीय, 75 किग्रा प्रत्यक्ष सिंह मेहरा प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 बालिका 45 किग्रा वर्ग में मीनाक्षी प्रथम स्थान पर रही।

रीठाखाल में लगा विधिक जागरूकता शिविर

चंपावत/टीम एक्शन इंडिया
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सुदूरवर्ती क्षेत्र रीठाखाल के राजकीय इंटर कॉलेज में बहुउद्देशीय विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव शिवानी पासबोला ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बारे में एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल द्वारा संचालित विभिन्न स्कीमों के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारियां दी।

इस दौरान समाज कल्याण विभाग, बाल विकास, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्राम्य विकास, उद्यान विभाग, पशुपालन, राजस्व, पंचायती राज विभाग, आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक विभाग, उरेड़ा एवं अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आम जनमानस का मेडिकल परीक्षण कर दवाइयां वितरित की गई। साथ ही शिविर में 12 दिव्यांगजनों को दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए।

स्मैक सप्लायर गिरफ्तार, भेजा जेल

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
भवाली पुलिस ने एक स्मैक सप्लायर को कैंची धाम क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार नैनीताल एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा के निर्देशों पर शुक्रवार को भवाली पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक हरपाल सिंह के नेतृत्व में स्मैक सप्लायर 46 वर्षीय जगत सिंह मेहरा पुत्र बद्री सिंह मेहरा निवासी रानीखेत जिला अल्मोड़ा को कैंची धाम क्षेत्र से गिरफ्तार किया। वह क्षेत्र के स्मैकियों को स्मैक की आपूर्ति करने का मुख्य आरोपित है।

चंपावत के प्रत्येक विकासखंड क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चलेगी रोडवेज

चंपावत/टीम एक्शन इंडिया
चंपावत जिले को प्रत्येक क्षेत्र में एक आदर्श जिला बनाए जाने के लिए निरंतर प्रयास व कार्य गतिमान है। इसी के अंतर्गत जनपद के प्रत्येक विकासखंड क्षेत्र व गांव तक सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराए जाने के लिए शुक्रवार को जिलाधिकारी नवनीत पांडे ने उत्तराखंड परिवहन निगम (रोडवेज) के अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में रोडवेज की बस सेवा संचालन हेतु चर्चा करते हुए मार्गों का निर्धारण किया गया। साथ ही मार्गों के निर्धारण के अनुसार शासन को जिले को अतिरिक्त बस उपलब्ध कराए जाने हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश क्षेत्र प्रबंधक को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि इस जिले को एक आदर्श जिला बनाना है। इसी के अंतर्गत हमें दूरस्थ गांव-गांव तक सार्वजनिक बस सेवा लोगों तक पहुंचानी होगी, ताकि सरकार की परिवहन सेवा के क्षेत्र में जो भी योजना संचालित की गई है उसका लाभ प्रत्येक व्यक्ति को मिल सके। इस हेतु जिले के जिन भी क्षेत्र में वर्तमान में रोडवेज की बस सेवा संचालित नहीं है। उन क्षेत्रों में बस सेवा संचालित कराई जाए।

बैठक में जिले के विभिन्न मार्गों में रोडवेज की बसों के संचालन किये जाने का निर्णय लेते हुए शीघ्र ही नई बसों के क्रय किए जाने हेतु शासन को प्रस्ताव भेजे जाने के निर्देश क्षेत्रीय प्रबंधक उत्तराखंड परिवहन निगम को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में कम सीट वाली बसों का संचालन किया जाए तथा समय सारणी का भी निर्धारण यात्रियों की सुविधा के अनुसार किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहे कि जिले के प्रत्येक गांव तक जहां तक बस जा सकती है उन्हें रोडवेज बस सेवा का लाभ मिले। बैठक में उत्तराखंड परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक पवन मेहरा, सहायक क्षेत्र प्रबंधक नरेंद्र गौतम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे हैं।

अधूरे दस्तावेज और गलत जानकारी पर नहीं मिलेगी छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति पोर्टल

8 छात्रवृत्ति योजना में आवेदन करने के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल 31 दिसंबर तक खुला रहेगा।

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
समाज कल्याण विभाग की पूर्वदशम/दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना में आवेदन करने के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल 31 दिसंबर तक खुला रहेगा। आवेदन करने के दौरान गलत जानकारी भरने या अधूरा फॉर्म भरने पर आपको छात्रवृत्ति से वंचित रहना पड़ सकता है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बार-बार अधूरी जानकारी या दस्तावेज देने पर छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी। समाज कल्याण विभाग की मानें तो छात्रवृत्ति का लाभ लेने के लिए छात्र-छात्राएं आवेदन तो कर देते हैं लेकिन जानकारी भरने में गलती कर बैठते हैं। कई मामलों में छात्र न तो पूरे दस्तावेज लगाते हैं और न ही उनका बैंक खाता आधार से लिंक होता है। ऐसे में छात्रवृत्ति की रकम जारी करने से पहले की सभी प्रक्रियाओं में देरी होती है। बताया कि इस बार आवेदन के नियम सख्त किए गए हैं। यदि कोई छात्र पहली बार आवेदन के दौरान कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाता है तो उसे इसकी सूचना दी जाएगी।

इसके बावजूद दस्तावेज अपलोड नहीं करने पर उसे छात्रवृत्ति से वंचित रहना पड़ेगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने बताया कि छात्रों का बैंक खाता उनके आधार से लिंक होना जरूरी है। तभी उन्हें खाते में डीबीटी के माध्यम से छात्रवृत्ति की धनराशि भेजी जा सकेगी। पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पत्र के फील्ड में छात्र द्वारा अपना गृह जनपद भरा जाना जरूरी है। सभी निजी कॉलेजों एवं संस्थानों को पत्र भेजकर बताया जा चुका है कि चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 का संबद्धता प्रमाण पत्र विभाग को उपलब्ध कराएं। ऐसा न करने पर छात्रों को छात्रवृत्ति से वंचित रहना पड़ सकता है। उन्होंने छात्रों से आवेदन के दौरान आधार नंबर, बैंक की जानकारी, आईएफएससी कोड, बैंक खाता संख्या सही भरने को कहा है। ऑनलाइन आवेदन पत्र में भरे गए नाम और बैंक खाताधारक में नाम समान होना जरूरी है।

हाउस ऑफ हिमालयाज' बना उत्तराखंड के उत्पादों का ब्रांड, मोदी ने किया लॉन्च

उत्तराखंड का ब्रांड

8 अपर सचिव ग्राम्य विकास नितिका खंडेलवाल ने बताया, हाउस ऑफ हिमालयाज उत्तराखंड का ब्रांड नाम हो गया है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
फरवरी में धामी कैबिनेट ने एक निर्णय लिया था कि प्रदेश के सभी उत्पादों की क्वालिटी, मार्केटिंग व ब्रांडिंग के लिए समिति का गठन किया जाए। इस आधार पर एक समिति का गठन किया गया है। राज्य के सभी उत्पादों को अब एक नाम से पहचाना जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शुक्रवार को वैश्विक निवेशक सम्मेलन के दौरान हाउस ऑफ हिमालयाज की लांचिंग की। अभी तक हिमाद्री, हिलांस, ग्राम्यश्री जैसे तमाम उत्पाद अलग-अलग नाम से बाजार में जाते हैं, लेकिन अब सभी हाउस ऑफ हिमालयाज के नाम से पहचाने जाएंगे। दरअसल, फरवरी में धामी कैबिनेट ने एक निर्णय लिया था कि प्रदेश के सभी उत्पादों की क्वालिटी, मार्केटिंग व ब्रांडिंग के लिए समिति का गठन किया जाए। इस आधार पर एक समिति का गठन किया गया है।

इस समिति ने हाउस ऑफ हिमालयाज नाम पर मुहर लगाई। इस नाम का रजिस्ट्रेशन करा दिया गया है। ट्रेडमार्क के लिए आवेदन भी कर दिया गया है। सचिव ग्राम्य विकास राधिका झा ने बताया कि अब हाउस ऑफ हिमालयाज उत्तराखंड का ब्रांड होगा। हिमाद्री, हिलांस समेत तमाम समितियों, स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को इसी ब्रांड नाम के साथ बाजार में उतारा जाएगा। इससे न केवल राष्ट्रीय, बल्कि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्पादों को बेहतर बाजार मिलेगा।

अपर सचिव ग्राम्य विकास नितिका खंडेलवाल ने बताया, हाउस ऑफ हिमालयाज उत्तराखंड का ब्रांड नाम हो गया है। जैसे टाटा या अन्य कंपनियों का एक नाम चलता है और विभिन्न उत्पाद बाजार में आते हैं। उसी तरह यह ब्रांड नाम चलेगा। उन्होंने कहा, सभी उत्पादों की अपनी पहचान के साथ हाउस ऑफ हिमालयाज का टैग उनके साथ रहेगा। कहा, इससे उत्पाद निमार्ताओं की कमाई में भी इजाफा होगा। बाहरी उपभोक्ताओं के सामने भी एक स्थापित पहचान बनेगी। उत्पादों को संबंधित विभागों से मदद पूर्व की भांति जारी रहेगी, लेकिन नाम एक ही रहेगा।

उत्तर रेलवे
शुद्धि पत्र
निविदा संख्या 236-DRM-MB-23-24 दिनांक 30.11.2023 के अंतर्गत जो निविदा आमंत्रित की गयी थी उसके schedule में संशोधन किया गया है जिसके कारण अब उक्त निविदा की अनुमानित लागत रू. 3,06,04,241.90 के स्थान पर रू. 3,14,28,813.31 पढ़ी जाये तथा धरोहर राशि रू. 3,03,000/– के स्थान पर रू. 3,07,200/– पढ़ी जाये निविदा की अन्य नियम व शर्तें एवं निविदा की खुलने की तिथि पूर्ववत रहेगी। 3860/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
कोरीजेण्डम
विषय: निविदा सूचना संख्या 14-GSU-MB-2023-24 के संबंध में।
अपरिहार्य स्थिति के कारण उपरोक्त निविदा की Pre bid conference दिनांक 12.12.2023 के स्थान पर 14.12.2023 को होगी तथा RFP of PSSA को भी संशोधित किया गया है। निविदा की अन्य नियम व शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।
3859/23
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखंड में डबल इंजन सरकार के डबल प्रयास दिख रहे हैं : मोदी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उत्तराखंड में डबल इंजन सरकार के डबल प्रयास चारों तरफ दिख रहे हैं। राज्य सरकार अपनी तरफ से जमीनी सच्चाई को समझते हुए यहां तेजी से काम कर रही है।
प्रधानमंत्री ने यह बातें शुक्रवार को देहरादून में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के उद्घाटन के मौके पर कहीं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और ग्राउंड ब्रेकिंग वॉल का अनावरण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सशक्त उत्तराखंड पुस्तक और ब्रांड हाउस ऑफ हिमालयाज भी लॉन्च किया।
प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के साथ अपने घनिष्ठ संबंध को दोहराते हुए कहा कि उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जहां दिव्यता और विकास एक साथ महसूस होता है। मैंने तो उत्तराखंड की भावनाओं और संभावनाओं को निकट

इन्वेस्टर्स समिट

8 प्रधानमंत्री ने कहा कि सामर्थ्य से भरी ये देवभूमि निश्चित रूप से आपके लिए निवेश के बहुत सारे द्वार खोलने जा रही है।

से देखा है, मैंने उसे जिया है, अनुभव किया है। प्रधानमंत्री ने इस भावना को और विस्तार देने के लिए एक भी कविता सुनाई।
प्रधानमंत्री ने कहा कि सामर्थ्य से भरी ये देवभूमि निश्चित रूप से आपके लिए निवेश के बहुत सारे द्वार खोलने जा रही है। आज भारत, विकास भी और विरासत भी के जिस मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है, उत्तराखंड उसका प्रखर उदाहरण है।
अब वो दिन दूर नहीं जब दिल्ली-देहरादून की दूरी ढाई घंटे होगी प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार

21वीं सदी के आधुनिक कनेक्टिविटी के इंफ्रास्ट्रक्चर पर उत्तराखंड में अभूतपूर्व इन्वेस्टमेंट कर रही है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों के बीच राज्य सरकार भी छोटे शहरों और गांव-कस्बों को जोड़ने के लिए पूरी शक्ति से काम कर रही है। आज उत्तराखंड में गांव की सड़कें हों या फिर चारधाम महामार्ग इस पर अभूतपूर्व गति से काम चल रहा है।
वो दिन दूर नहीं जब दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे से दिल्ली और देहरादून की दूरी ढाई घंटे होने वाली है। देहरादून और पंतनगर के एयरपोर्ट के विस्तार से एयर कनेक्टिविटी सशक्त होगी। यहां की सरकार हैली-टैक्सी सेवाओं के राज्य के भीतर विस्तार दे रही है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग, इस रेल लाइन से यहां की रेल कनेक्टिविटी सशक्त होने वाली है।
आधुनिक कनेक्टिविटी जीवन तो आसान बना ही रही है, ये बिजनेस को भी आसान कर रही है। इससे खेती हो या फिर टूरिज्म, हर सेक्टर के लिए नई संभावनाएं खुल रही हैं। लॉजिस्टिक्स हो, स्टोरेज हो, टूर-ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी हो, इसके लिए यहां नए रास्ते बन रहे हैं।

उत्तराखंड एक ब्रांड के रूप में उभरने जा रहा है

उन्होंने कहा कि प्रकृति, संस्कृति और विरासत को अपने में समेटे उत्तराखंड एक ब्रांड के रूप में उभरने जा रहा है। उन्होंने निवेशकों से योग, आयुर्वेद, तीर्थ और साहसिक खेल क्षेत्रों में अवसर तलाशने और पैदा करने को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड लॉन्च करने पर दी बधाई

प्रधानमंत्री ने हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड लॉन्च करने के लिए उत्तराखंड सरकार को बधाई दी और इसे उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों तक ले जाना का एक अभिनव प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि हाउस ऑफ हिमालयाज वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल की हमारी अवधारणा को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि भारत के हर जिले और ब्लॉक के उत्पादों में वैश्विक बनने की क्षमता है। प्रधान मंत्री ने ऐसे स्थानीय उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार की खोज के महत्व पर जोर दिया और निवेशकों से विभिन्न जिलों में ऐसे उत्पादों की पहचान करने का आग्रह किया। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूहों और एफपीओ के साथ जुड़ने की संभावनाएं तलाशने का भी आग्रह किया।

उत्तराखंड में विवाह समारोह आयोजित करने की अपील

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के अमीरों, संपन्न लोगों और युवाओं से इमेक इन इंडियाह की तर्ज पर इवेड इन इंडियाह आंदोलन शुरू करने की अपील की। उन्होंने उनसे अगले पांच वर्षों में उत्तराखंड में कम से कम एक विवाह समारोह आयोजित करने का अनुरोध किया।
प्रधानमंत्री ने किसी भी संकल्प को हासिल करने की भारत की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगर उत्तराखंड में एक साल में 5000 शादियों भी होती हैं, तो एक नया बुनियादी ढांचा तैयार हो जाएगा और राज्य को दुनिया के लिए एक विवाह स्थल में बदल देगा।

गुमशुदा व्यक्ति का शव बरामद

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
लक्ष्मण झूला थाना अंतर्गत पशु लोक बैराज जलाशय से एसडीआरएफ की टीम ने पिछले 13 नवंबर से गुमशुदा व्यक्ति का शव बरामद कर लिया है। एसडीआरएफ के प्रभारी कविंद्र सजवाण ने बताया कि शुक्रवार सुबह उनके कार्यालय पर सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति का शव बैराज जलाशय में तैर रहा है। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर व्यक्ति का शव जलाशय से बाहर निकाला और उसे लक्ष्मण झूला पुलिस को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि शव की पहचान सुनील जोशी (47) के रूप में हुई है, जो 13 नवंबर की सुबह से गायब था।

लाल पानी बीट में कूड़ा निस्तारण को लेकर लोगों ने मंत्री से की मुलाकात

मुलाकात

8 अग्रवाल ने सचिव से कहा कि गोविंद नगर में वर्षों से पड़े कूड़े का निस्तारण किया जाना उचित है।

ऋषिकेश
लाल पानी बीट में कूड़ा निस्तारण केंद्र को लेकर मंशादेवी, रुषा फार्म और अमित ग्राम के स्थानीय लोगों ने क्षेत्रीय विधायक व शहरी विकास मंत्री मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री डॉ. अग्रवाल ने लोगों की समस्या के निराकरण के लिए मौके से ही मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधू को दूरभाष पर

निर्देशित किया।
मंत्री डॉ. अग्रवाल ने मुख्य सचिव से कहा कि गोविंद नगर में वर्षों से पड़े कूड़े का निस्तारण किया जाना उचित है। मगर, अन्य जगह भी लोगों को परेशानी न हो, इसका ख्याल भी रखना आवश्यक है। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देशित करते हुए कहा कि तत्काल लाल पानी बीट में कूड़ा निस्तारण केंद्र के लिए जाने का मार्ग ग्रामीण क्षेत्रों के मुख्य मार्ग की बजाए जंगल से होकर बनाया जाए। डॉ. अग्रवाल ने मुख्य सचिव को निर्देशित कर यह भी कहा कि इस संबंध में जल्द बैठक कर समाधान निकाला जाए। इससे स्थानीय लोगों की समस्याओं का भी समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से ही वह चौथी बार विधायक बनकर मंत्री बने हैं। ऐसे में उनकी समस्याओं को समझना भी अत्यधिक जरूरी है। बैठक के दौरान डॉ. अग्रवाल ने कहा कि लाल पानी बीट में कूड़ा निस्तारण केंद्र को लेकर कुछ तथाकथित लोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक देख इस संबंध में अपनी राजनीति कर रहे हैं, जो सही नहीं है। जनता ऐसे मतलब की राजनीति करने वालों को चुनाव में सबक भी सिखाएगी।

संक्षिप्त खबरें

ईजमायट्रिप के ह्विंटर कार्निवल सेलह्ठ में मिलेंगे फ्लाइट, होटल, बस, हॉलिडे, कैब और अन्य चीजों पर शानदार डिस्काउंट

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन ट्रैवल टेक प्लेटफॉर्म में से एक, ईजमायट्रिप डॉट कॉम ने दिवाली ट्रैवल सेल यानी ह्विंटर कार्निवल सेल लॉन्च की है, जहाँ ग्राहकों को फ्लाइट, होटल, बस, कैब और हॉलिडे पैकेज पर शानदार बचत का लाभ उठाने का मौका मिलेगा। यह लिमिटेड टाइम सेल 05 दिसंबर से 09 दिसंबर, 2023 तक जारी रहेगी, यह सेल बेहतरीन कीमतों पर नई दुनिया की खोज करने का गोल्डन टिकट है। विंटर कार्निवल सेल के दौरान, यात्री 09 दिसंबर तक कूपन कोड कार्निवल का उपयोग करके शानदार छूट का आनंद ले सकते है। यहाँ आप घरेलू उड़ानों पर 2,023 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 7,500 रुपये तक की एवं घरेलू होटलों पर 5,000 रुपये और अंतरराष्ट्रीय होटलों पर 10,000 रुपये तक की बचत कर सकते हैं। यदि आप बस या कैब से यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, तो आप क्रमशः 500 रुपये तक और 2000 रुपये तक की बचत कर सकते हैं। इसके अलावा, जिन्हें एक यादगार छुट्टियाँ मनाने वालों के लिए, पैकेज सिर्फ 11,299/- रुपये से शुरू हो रहे हैं।
आप आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड, बैंक ऑफ बड़ौदा डेबिट और क्रेडिट कार्ड, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और यस बैंक क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर अतिरिक्त छूट का लाभ उठा सकते हैं। सेल के दौरान, ईजमायट्रिप के माध्यम से बुकिंग करने वाले सभी उपयोगकर्ताओं को सेलेक्टेड ब्रांड पार्टनर्स से वाउचर प्राप्त करने का मौका मिलेगा। ईजमायट्रिप ने एयर अस्ताना, एयर इंडिया, एयर एक्सप्रेस, एयर फ्रांस, अकासा एयर, ब्रिटिश एयरवेज, बाटिक एयर, गल्फ एयर, आईटीए एयरवेज, जापान एयरलाइंस, केएलएम रॉयल डच एयरलाइंस, केन्या एयरवेज, ओमान एयर, स्पाइसजेट एयरलाइंस, कतर एयरलाइंस, क्वांटास, विस्तारा वर्जिन वर्जिन अटलांटिक सहित प्रसिद्ध एयरलाइनों और विशेष होटलों के चयन के साथ साझेदारी की है। ट्राइडेंट होटल, ओबेरॉय होटल और रिसॉर्ट्स, सिग्नेट होटल, द क्लार्क्स होटल, रेजेंटा होटल, रॉयल ऑर्किड होटल, एमपीटी होटल, स्प्री होटल, सिट्रस होटल, किरिवाड, मास्टिफ होटल, द फर्न होटल और रिसॉर्ट्स, प्राइड होटल, माउंट होटल, होटल ले रोई, रेनेस्ट होटल्स, अमृतारा होटल्स एंड रिसॉर्ट्स, स्टारलाइट बिजनेस होटल, सूबा ग्रुप ऑफ होटल्स, लाइमट्री होटल्स, श्रीगो ग्रुप ऑफ होटल्स, वन अर्थ होटल्स, जस्टए होटल्स एंड रिसॉर्ट्स, वेलकम हेरिटेज, फैब होटल्स, शेवरॉन होटल्स एंड रिसॉर्ट्स, जोन बाय द पार्क, द पार्क, स्टर्लिंग, लॉर्ड्स होटल्स एंड रिसॉर्ट्स, द बाइके, अनंता होटल्स एंड रिसॉर्ट्स, समिट होटल्स एंड रिसॉर्ट्स, और जैन ग्रुप ऑफ होटल्स। इसके अलावा इसेंटिव के रूप में, सेल के दौरान हर एक बुकिंग ग्राहकों को जॉन जैकब्स, ईजीडाइनर, और एप्रिसिएट जैसे सेलेक्टेड ब्रांड पार्टनर्स से बेहतरीन उपहार जीतने का मौका देता है। विंटर कार्निवल सेल पर ईजमायट्रिप के सह-संस्थापक, रिकांत पिट्टी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हमारी विंटर कार्निवल सेल में आपका स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। यह बचत और मौसमी आनंद का उत्सव है, जो आपके शीतकालीन यात्रा को आनंदमई अनुभव के लिए तैयार किया गया है।

ऑनलाइन एसीआर नहीं भरने पर पड़ा भारी, 136 पुलिसकर्मियों का वेतन रोका

हरिद्वार /टीम एक्शन इंडिया
एसएसपी ने सभी कर्मचारियों को वर्ष 2022 का अपनी एसीआर अपडेट करने के लिए स्पष्ट रूप से निर्देश दिए थे। लेकिन जनपद के 136 पुलिसकर्मियों ने अपना ऑनलाइन एसीआर ही नहीं भरा है। जब इसका पता चला तो एसएसपी का पारा चढ़ गया।
ऑनलाइन एसीआर (वार्षिक चरित्र मंतव्य) न भरना जनपदभर के 136 पुलिसकर्मियों को भारी पड़ गया। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने एसीआर न भरने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए पुलिसकर्मियों को जमकर फटकार लगाई।
सभी का दिसंबर माह का वेतन रोकने का आदेश जारी किया है। कप्तान की कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय देहरादून की ओर से पुलिस अधिकारी-कर्मचारी की सुविधा के लिए एसीआर ऑनलाइन भरवाई जा रही है।

रसना ने समिट में रसना हिमालयन गुलाब शरबत, गुलकंद और हिमालयन गुलाब च्यवनप्राश के लॉन्च के साथ उत्तराखंड के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बढ़ाई

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
आज, उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में, रसना ने गर्व से अपने रसना हिमालयन गुलाब शरबत, हिमालयन गुलकंद और हिमालयन गुलाब च्यवनप्राश के लॉन्च की घोषणा की। राज्य में रसना की उपस्थिति बढ़ाने के प्रयास में, उत्पादों का निर्माण उत्तराखंड की घाटियों से प्राप्त शुद्ध गुलाब तेल और गुलाब जल जैसे कच्चे माल का उपयोग करके किया जाएगा।
रसना भारत में 12 कारखानों और 1.6 मिलियन आउटलेट कवरेज और 60 से अधिक देशों में उपलब्धता के साथ अपने व्यापक विनिर्माण और विपणन आउटरीच के माध्यम से भारत और विदेशों में एक साथ उत्पाद लॉन्च करेगी, खासकर मध्य पूर्व में जहां भारतीय गुलाब उत्पाद पहले से ही मांग में हैं। उत्पाद की वैश्विक मांग के साथ, रसना का लक्ष्य राज्य से स्थानीय उपज की बढ़ती सोर्सिंग के माध्यम से अपनी उपस्थिति बढ़ाना है। राज्य के लिए राजस्व सृजन को आगे बढ़ाने के लिए, रसना ने सैंडल सिरप और हल्दी सिरप आधारित कॉन्संट्रेट सिरप लॉन्च करने की भी योजना बनाई है, जिसका कच्चा माल भी उत्तराखंड की घाटियों से प्राप्त किया जाएगा।
उत्तराखंड, विशेष रूप से चमोली में फूलों की घाटी, दमस्क नामक गुलाब के फूलों की विविधता के लिए जाना जाता है। दमस्क गुलाब बहुत विशिष्ट है, क्योंकि यह एक अनूठी सुगंध प्रदान करता है और सदियों से विभिन्न भोजन, आयुर्वेदिक, न्यूट्रास्युटिकल और संबंधित उत्पादों के लिए एक इस्तेमाल के रूप में बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता रहा है। रसना ने अपने अभिनव अनुसंधान एवं विकास दृष्टिकोण के माध्यम से राज्य के प्राकृतिक अवयवों का उपयोग करके यह गुलाब सिरप बनाया है जो फूलों के एंटीऑक्सीडेंट, जीवाणुरोधी, विरोधी भड़काऊ और आंत को ठंडा करने वाले गुणों से चिकित्सीय लाभ प्रदान करेगा और सुगंध और विशिष्ट उत्पाद की स्वाद को नहीं भूलेगा। । उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में टिप्पणी करते हुए, रसना के ग्रुप चेयरमैन, पिरुज खंबाटा ने कहा कि रसना माननीयों के अनुरूप काम करने के लिए समर्पित है। विश्व के लिए भारत के भोजन के बारे में प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण। हम वोकल फॉर लोकल के आह्वान का पूरा समर्थन करते हैं और लोकल को ग्लोबल बनाकर इसका विस्तार कर रहे हैं। जिसके हित में और उत्तराखंड राज्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए, हमने रसना हिमालयन गुलाब शरबत, हिमालयन गुलकंद, गुलाब च्यवनप्राश लॉन्च किया है और पूरे भारत और विश्व स्तर पर अतिरिक्त उत्पाद पेश करने का लक्ष्य है, जो राज्य से प्राप्त सभी कच्चे माल का उपयोग करके निर्मित किए जाएंगे।

महिला को गुलदार ने बनाया निवाला

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
नैनीताल जनपद के पर्वतीय क्षेत्र मलुवाताल में एक गुलदार द्वारा एक महिला को निवाला बनाने की घटना सामने आयी है। बताया गया है कि गुलदार ने दिन में जंगल में घास काटने गयी महिला को अपना शिकार बनाया और महिला को ढूंढते हुए ग्रामीणों के रात्रि में पहुंचने तक महिला को नोंचता रहा।
यहां तक कि ग्रामीणों के पहुंचने व शोर मचाने के बावजूद भी महिला को छोड़ने की जगह उन पर गुर्राने लगा। ऐसी घटना के बाद ग्रामीणों में ऐसे आदमखोर-नरभक्षी गुलदार को लेकर भय का माहौल एवं प्रशासन के खिलाफ आक्रोश है।

मॉल रोड पर हुआ भूस्खलन, खतरे की घंटी!

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
नैनीताल की प्रसिद्ध मॉल रोड पर शुक्रवार सुबह एक बार पुनः भूस्खलन हो गया है। खास बात यह है कि यह भूस्खलन मॉल रोड पर पर्यटन कार्यालय के पास उस स्थान पर हुआ है जहां पूर्व में 18 व 25 अगस्त 2018 को लोवर मॉल रोड नैनी झील में समा गयी थी। यह वह स्थान भी है जहां अक्सर सीवर लाइन उफनती रहती है और इस वर्ष मॉल रोड पर सीवर लाइन की मरम्मत के कार्य के बावजूद बरसात के मौसम में सीवर लाइन का उफनना नहीं रुका था।
भू-वैज्ञानिकों के अनुसार इस स्थान से नैनीताल फॉल्ट लाइन

भूस्खलन

8 आज हुआ भूस्खलन अपर मॉल रोड की लोवर मॉल रोड से लगती दीवार पर हुआ है।

गुजरती है। इसलिए यहां लगातार जमीन मॉल रोड की ओर खिसक रही है।
इसकी पुष्टि यहां लगातार मॉल रोड व लोवर मॉल रोड पर दरारों के उभरने और स्ट्रीट लाइट के पुराने पोल के झुके होने से भी होती है। इसके बावजूद सड़क की दरारों को कोलतार से भरकर छुपाया जाता है और पिछले करीब साढ़े पांच वर्ष बीत जाने के बावजूद न ही लोवर मॉल रोड के सुदृढ़ीकरण के कार्य हुए हैं, न ही भू-वैज्ञानिकों की रिपोर्ट के अनुसार ऊपर की ओर से पानी के जमीन में जाने को रोकने के लिए कोई प्रबंध ही हुए हैं।
आज हुआ भूस्खलन अपर मॉल रोड की लोवर मॉल रोड से लगती दीवार पर हुआ है। दीवार का एक हिस्सा एक रेलिंग के साथ नीचे आ गया है। इससे प्रत्यक्ष तौर पर तो अधिक नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन यह यहां लगातार हो रही भू-धंसाव की गतिविधि का प्रमाण और भविष्य में घट सकने वाली किसी बड़ी दुर्घटना की खतरे की घंटी अवश्य हो सकता है।

वैश्विक निवेशक सम्मेलन का आगाज, निवेशकों ने किए एलान

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
अडानी ग्रुप ने उत्तराखंड में बड़े निवेश का एलान किया। वहीं, जिंदल ग्रुप, बाबा रामदेव और आईटीसी के एमडी संजीव पुरी ने प्रदेश में निवेश के बड़े एलान किए।
उत्तराखंड में आज से दो दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन का आगाज हो गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस दौरान सबसे पहले अडानी ग्रुप ने उत्तराखंड में बड़े निवेश का एलान किया। वहीं, जिंदल ग्रुप, बाबा रामदेव और आईटीसी के एमडी संजीव पुरी ने प्रदेश में निवेश के बड़े एलान किए।
निवेशक सम्मेलन में पहुंचे अडानी एंटरप्राइज के निदेशक

प्रणव अडानी ने आमंत्रित करने के लिए प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया। कहा कि देहरादून आना हमेशा सौभाग्य की बात होती है, जो मेरे हृदय में विशेष स्थान रखता है। साथ ही कहा कि उत्तराखंड की भूमि लैंड ऑफ गॉड है। राज्य में निवेश को लेकर पिछले पांच साल से यहां अप्रत्याशित बदलाव हुए हैं। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन और सीमेंट फैक्ट्री के क्षेत्र में हम उत्तराखंड में मौजूद हैं।

इन क्षेत्रों में करेंगे निवेश
अम्बुजा सीमेंट के रुड़की प्लांट की क्षमता बढ़ाने के लिए 300 करोड़।
कुमाऊं में 800 करोड़ से हम स्मार्ट बिजली मीटर लगाने जा रहे हैं।पंतनगर में 1000 एकड़ भूमि पर एयरोसिटी बनाएंगे।
ऋषिकेश देहरादून के बीच 1400 करोड़ ग्राइंडिंग यूनिट पर खर्च करेंगे।
200 स्टेट की बसें सीएनजी से चलाएंगे।
जिंदल ग्रुप ने किया ये एलान
जेएसडब्ल्यू के एमडी सज्जन जिंदल ने भी उत्तराखंड में बड़े निवेश का एलान किया। उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमें ऐसे प्रधानमंत्री मिले जिन्होंने हमारे देश की काया पलट कर दी है।
बाबा रामदेव का एलान
हमने अब तक उत्तराखंड में बड़ा निवेश किया है। पतंजलि 10 हजार करोड़ का निवेश करेगा और 10 हजार लोगों को रोजगार देगा।
आईटीसी के एमडी संजीव पुरी का बड़ा एलान
हरिद्वार में मैनुफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स की हमारी तीन यूनिट हैं। हमारे अनुभव अच्छे रहे हैं।
नौ होटल के अलावा अब हम चार नए होटल बनाएंगे।
हम अपने फूड प्रॉडक्ट के लिए विस्तार करेंगे पेपर बोर्ड बिजनेस के क्षेत्र में हम उत्तराखंड में प्लांट लगाने जा रहे हैं।

पहाड़ी टोपी और वास्कट में पीएम मोदी का खास अंदाज

देहरादून /टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड को समृद्ध दशक बनाने के लिए देश-दुनिया के निवेशक आज राजधानी देहरादून में जुटे हैं। औद्योगिक निवेश जुटाने के लिए आज शुक्रवार से प्रदेश सरकार का दूसरा दो दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन शुरू हो गया है।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एफआरआई पहुंच चुके हैं। इस दौरान वह पहाड़ी टोपी और वास्कट में खास अंदाज में नजर आए। उन्होंने पहले यहां रोड शो किया। परिसर में पहुंचते ही सीएम धामी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद पीएम मोदी यहां शिखर सम्मेलन से जुड़ी प्रदर्शनी का अवलोकन

करने पहुंचे हैं। उनके साथ इस वक्त सीएम धामी और मुख्य सचिव संधू मौजूद हैं।
कार्यक्रम की शुरूआत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई। सीएम धामी ने अपने संबोधन में कहा कि पीएम मोदी ने समिट में पहुंचकर इसकी शोभा बढ़ाई है। कहा कि 44 हजार करोड़ का निवेश धरातल पर उतारा गया है। लाखों रोजगार भी मिलेंगे। प्रदेश सरकार ने निवेशक सम्मेलन की भव्य तैयारियां की हैं। राज्य में विभिन्न सेक्टर में निवेश के लिए अभी तक तीन लाख करोड़ रुपये समझौता ज्ञापन (एमओयू) हो चुके हैं। इनमें से 44 करोड़ रुपये का निवेश ग्राउंडिंग के लिए तैयार है।
जोन-ए में मुख्य पंडाल बनाया गया है, जिसमें 5000 से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। उद्योगपतियों के लिए सोफे लगाए गए हैं।
वहीं, समिट के दौरान उद्योगपतियों को तीन श्रेणियों- प्लेटिनम, गोल्ड, डायमंड में व्यंजन परोसे जाएंगे। इन श्रेणियों के लजीज व्यंजन छह किचन में तैयार किए जाएंगे जिनमें तीन मेगा किचन भी हैं।

भाजपा नेता मोहनसिंह रावत 'गांववासी' का निधन, विस अध्यक्ष ने जताया दुख

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मोहनसिंह रावत 'गांववासी' का शुक्रवार को अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और वह देहरादून के कैलाश अस्पताल में भर्ती थे। जहां सुबह आठ बजे उनका निधन हो गया।
मोहनसिंह रावत के निधन पर उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने दुख जताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।
उन्होंने कहा कि कल शाम उनसे मिलने कैलाश हॉस्पिटल गई थी। जहां उन्होंने चिकित्सकों से उनके

स्वास्थ्य की जानकारी ली और परिवार को ढाढ़स बंधाया था। आज सुबह उनके निधन की सूचना मिलने से वे काफी दुखी हैं।
उन्होंने कहा कि मोहन सिंह रावत भाजपा के वरिष्ठ नेता थे। उनका प्रदेश के विकास में और राज्य में संगठन की मजबूती में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। ईश्वर से विस अध्यक्ष ने पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिवारजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की।

संपादकीय

जम्मू कश्मीर में परिवर्तन की बयार

बीते दिनों संसद केषीतकीन सत्र के दौरान लोकसभा में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन संशोधन और जम्मू-कश्मीर आरक्षण संशोधन विधेयकों को ध्वनि-मत से पारित किया गया। विपक्ष ने वॉकआउट किया। जम्मू-कश्मीर का जिक्र होगा, तो नेहरू और श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी याद किया जाएगा। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने कश्मीर के संदर्भ में दो ह्यभयंकर गलतियांह्ल यानी ब्लंडर की थीं। भारत की आजादी के कुछ माह बाद ही कबाइलियों यानी पाकिस्तान की मुखौटा फौज ने कश्मीर पर हमला कर दिया था। अभी युद्ध जारी था और हमारी सेनाएं जीत रही थीं। पूरे कश्मीर पर भारत का कब्जा होने ही वाला था कि प्रधानमंत्री नेहरू ने युद्धविराम की घोषणा कर दी। नतीजतन कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में ही रहा। वह उसे ह्यआजाद कश्मीरह्ल कहता है, लेकिन भारत उस पीओके को अपना हिस्सा मानता है। संसद में इस आशय के प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं। दूसरी भयंकर गलती यह थी कि नेहरू कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में ले गए, लिहाजा आज भी कई देश इसे ह्यअंतरराष्ट्रीय मसलाह्ल करार देते हैं। इसके अलावा कश्मीर का आयाम यह था कि ह्यजनसंघह्ल के संस्थापक बनने से पहले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी देश की पहली कैबिनेट में उद्योग-वाणिज्य मंत्री थे। कश्मीर के मुद्दे पर उन्होंने आंदोलन खड़ा किया था कि कश्मीर में भी ह्यएक विधान, एक निशान, एक प्रधानह्ल की व्यवस्था होनी चाहिए। उस दौर में शेख अब्दुल्ला कश्मीर के प्रधानमंत्री थे और कश्मीर का संविधान तथा ध्वज भी भारत से अलग थे। उस अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त, 2019 को संसद के जरिए समाप्त किया। सरकार की तरफ से संसड में पेश जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 से घाटी में आरक्षण का रूप बदला जाएगा। यह बिल जम्मू और कश्मीर आरक्षण अधिनियम, 2004 में संशोधन करता है। अधिनियम अनुसूचित जाति जातियां, अनुसूचित जनजातियां और अन्य सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग के सदस्यों को नौकरियों और व्यावसायिक संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण प्रदान करता है। वहीं जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन करता है। 2019 अधिनियम ने जम्मू और कश्मीर विधानसभा में सीटों की कुल संख्या 83 तय करने के लिए 1950 अधिनियम की दूसरी अनुसूची में संशोधन किया था। इसमें अनुसूचित जाति के लिए छह सीटें आरक्षित की गईं थी। अनुसूचित जनजाति के लिए कोई सीट आरक्षित नहीं की गई। वहीं इस बिल में सीटों की कुल संख्या बढ़ाकर 90 कर दी गई है। यह अनुसूचित जाति के लिए सात सीटें और अनुसूचित जनजाति के लिए नौ सीटें भी आरक्षित करता है। इसके साथ ही अब जम्मू-कश्मीर का उपराज्यपाल कश्मीरी प्रवासी समुदाय से अधिकतम दो सदस्यों को विधानसभा में नामांकित कर सकते हैं। नामांकित सदस्यों में से एक महिला होनी चाहिए। विधेयक में यह भी कहा गया है कि उपराज्यपाल पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के विस्थापितों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक सदस्य को विधान सभा में नामित कर सकते हैं। लोकसभा में इन दोनों बिलों को लेकर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद की वजह से लोगों ने बहुत कुछ सहा है। तमाम लोगों को अपने घर और व्यवसाय छोड़कर भागना पड़ा।

सिद्ध करनी होगी मानवाधिकार दिवस की सार्थकता

रमेश सर्राफ धमोरा

"राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 दिसम्बर 1948 को विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। वर्ष 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 73 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं"

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 दिसम्बर 1948 को विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। वर्ष 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 73 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2023 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 75वीं वर्षगांठ भी है। इसीलिए इस बार 2023 में मानवाधिकार दिवस की थीम सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय है। इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है।

भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है। भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,20,21,23,24,39, 43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं। देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा, तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है। इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं।

समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है। सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

कविता

हम समझे हैं दरिया जिसे सहरा तो नहीं है
तुम समझे हो सहरा जिसे दरिया तो नहीं है
आखिर ये मुझे जीने के लाले हैं पड़े क्यूँ
तू जिन्दगी अपनी मुझे कहता तो नहीं है
तू देख जरा खुद को के तू इस में है मौजूद
या इश्क में तन मन तेरा अगवा तो नहीं है
मरने का मुझे डर नहीं बस फिक्र है इतनी
कोई यहाँ वाला वहाँ मिलता तो नहीं है
वो बाँटता रहता है हर इक लब को तबस्सुम
वो दर्द के दरियाओं में डूबा तो नहीं है
बस जाऊँगा दिल में तेरे पर इतना बता दे
इस घर में कोई पहले से रहता तो नहीं है
रहते हैं सदा साथ तेरी यादें तेरे ख़्वाब
दीवाना तेरा आज भी तन्हा तो नहीं है
फिर भी मेरी बीमारियां उस से हैं शिफायाब
हर चंद वो पेशे से मसीहा तो नहीं है
जिस दर्जा थी रंगीनों- पुर अंदाज "जकी" रात
उतना हसीं भरपूर सवेरा तो नहीं है

जकी तारिक बाराबंकवी

"दिलों में राज करेंगे जूनियर महमूद "

जूनियर महमूद इनका नाम जब भी सुनते हैं तो इनकी वो बाल छवि सामने आ जाती है। बेहद खुश मिजाज इंसान थे जूनियर महमूद जी। इन्होंने बाल कलाकारों में अपनी एक उम्दा पहचान बनाई और खुद एक दिग्गज कलाकार के रूप में कई दिग्गज कलाकारों के साथ इन्होंने काम किया था। कैंसर से जूझ रहे दिग्गज अभिनेता जूनियर महमूद का गुरुवार रात 67 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने मुंबई में अपने घर पर आखिरी सांस ली।

जूनियर महमूद ने उस दौर में तकरीबन सभी सितारों के साथ लगभग 265 फिल्मों में काम किया।

जूनियर महमूद की परवरिश एक बहुत ही साधारण परिवार में हुई। उनका जन्म 15 नवंबर 1956 को मुंबई की वडाला रेलवे कालोनी में हुआ। उनके पिता मसूद अहमद सिद्दीकी रेलवे में इंजन ड्राइवर का काम किया करते थे और उन्होंने उनका नाम मोहम्मद नईम सैय्यद रखा। उनके कैरियर की शुरूआत उनके बड़े भाई के शौक से हुई। बड़े भाई मोहम्मद बिलाल फिल्मों में स्टिल फोटोग्राफी करते थे। वह मिमिक्री आर्टिस्ट भी कमाल के थे और उनको एक्टिंग का बहुत शौक था। जब वह शूटिंग से आते थे तो सभी एक्टर्स के बारे में बातें करते थे। उनकी बातें सुनकर वे सोचा करते थे कि उन्हें कब इन सितारों से मिलने का मौका मिलेगा। और, एक दिन उन्होंने अपने बड़े भाई से कहा कि कभी मुझे भी शूटिंग दिखाने के लिए ले चलो। बस फिर वहीं से उनकी किस्मत में चार चाँद लग गए। एक बाल कलाकार अपने डायलॉग बार बार भूल रहा था। उसे जूनियर महमूद ने चुटकियों में बोल गए। एक ही शॉट में उन्होंने कमाल का डायलॉग बोला तो सब ताली बजाये बिना नहीं रह सके। और उन्हें अपने कार्य के पाँच रुपये मिले जो उस जमाने में बहुत ज्यादा होते थे। उस समय वो आठ साल के थे। "हम काले है तो क्या हुआ दिलवाले है।" इस गाने में उन्होंने डांस करके इंडस्ट्री में अपनी एक पहचान बना लिए। महमूद जी ने अपने नाम से ही जूनियर महमूद नाम दिया। और जूनियर महमूद को महमूद जी ने अपना शागिर्द बना लिया।

साल 1968 में शम्मी कपूर और मुमताज के साथ फिल्म 'ब्रह्मचारी' में काम करने का उन्हें मौका मिला। ब्रह्मचारी फिल्म से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद 'दो रास्ते', 'आन मिलो सजना', 'कटी पतंग', 'हाथी मेरे साथी' और 'कारवां' जैसी कई फिल्मों में उन्होंने काम किया।उनकी ज्यादातर फिल्में सिल्वर जुबली रहीं। जूनियर महमूद हमेशा दिलों में राज करते रहेंगे।

विचार

घर भी बनता जा रहा है प्रदूषण का केन्द्र

विजय गर्ग

बात थोड़ी विचित्र अवश्य लग सकती है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारा घर भी प्रदूषण का केन्द्र बनता जा रहा है। इसकी गंभीरता को इससे समझा जा सकता लेसेंट की रिपोर्ट में 2019 में देश में एक लाख से अधिक नवजात बच्चों की मौत जन्म से एक माह के दौरान घरेलू प्रदूषण के कारण हुई है। आधुनिक जीवन शैली और घरों में प्रदूषण के कारक उत्पादों की प्रमुखता इसका कारण है। महिलाओं और बच्चों में डस्ट एलर्जी तो आम होती जा रही है। जरा-सी गंदगी या धूल-मिट्टी से सामना हुआ कि छींक पर छींक, नाक टपकना और यहां तक कि श्वांस लेने में दिक्कत तो आम होती जा रही है। ऐसे में समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। डिओ, शेंपू, मच्छर मारने की दवाएं जैसे अनेक उदाहरण होने के साथ ही सोफा, कालीनों में जमी धूल भी बड़ा कारण बनती जा रही है। प्रदूषण आज की ज्वलंत समस्या है तो सबसे अधिक चर्चा और चिंता का कारण भी प्रदूषण बन गया है। प्रदूषण को लेकर वैश्विक सम्मेलन हो रहे हैं तो प्रदूषण को कम करने के उपायों पर बड़े बड़े सम्मेलनों में चचाएं हो रही है। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि हमारा घर भी प्रदूषण का केन्द्र बनता जा रहा है। माइक्रो लेवल पर कोई भी बात की जा सकती है पर हमारे घर व मकान में फैल रहे प्रदूषण और उसके कारण होने वाले जानलेवा दुष्परिणामों की और लेसेंट जर्नल की रिपोर्ट आंख खोलने के लिए काफी है। रिपोर्ट के अनुसार घरेलू प्रदूषण के चलते हमारे देश की ही बात की जाय तो 2019 में 16 लाख 70 हजार लोगों की असमय मौत का कारण वायु प्रदूषण ही रहा है। इनमें 6 लाख 10 हजार लोगों को घरेलू प्रदूषण के कारण अपनी जान से हाथ धोना पड़ा वहीं इनमें एक लाख 16 हजार तो बच्चे ही हैं। यह तो 2019 के आंकड़े हैं। आज के हालात सुधार के ना होकर इससे अधिक ही चिंतनीय है। ऐसे में घरेलू प्रदूषण के खतरे से बचाव के लिए ठोस प्रयास किया जाना समय की आवश्यकता है।

देखा जाए तो हमारे घर में दिन प्रतिदिन काम में आने वाली वस्तुएं ही प्रदूषण का कारण बन रही हैं। हालांकि अब रसोई यानी की खाना पकाने के लिए घर-घर में गैस की पहुंच हो गई है और लकड़ी कोयला के कारण होने वाले प्रदूषण से लगभग निजात मिल चुकी है। पर प्रदूषण के अन्य कारण तैयार हो गए हैं।

घरेलू प्रदूषण के दुष्प्रभाव को इस मायने में देखा जा सकता है कि अस्थमा और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण यह घरेलू प्रदूषण बनता जा रहा है। प्रदूषण के कारण एलर्जी होना तो आम बात है। महिलाओं और बच्चों को डस्ट एलर्जी होना या अन्य किसी से एलर्जी होना आम होता जा रहा है। दरअसल, हमारे घर की दैनिक उपभोग की वस्तुएं ही किसी ना किसी कारण से प्रदूषण का कारण भी बन जाती है। इनमें से अधिकांश तो अनजाने में होती है। दरअसल अवेयरनेस के कारण या हमारी जीवन शैली भी इसका एक कारण है। घर में मच्छर मारने के लिए उपयोग में लिए जाने वाले कीटनाशी मच्छाररोधी दवा भी घरेलू प्रदूषण का प्रमुख कारण है तो दूसरी और घरेलू साज-सज्जा सामग्री में फर्नीचर, लकड़ी का सामान, चटाईयां, कालीन आदि की समय पर साफ सफाई नहीं होने से यह प्रदूषण का कारक बन जाते हैं। इसी तरह पूजा में काम ली जाने वाली धूपबत्ती, अगरबत्ती, धूम्रपान, महिलाओं के कास्मेटिक उत्पाद, केमिकल युक्त शेम्पू आदि, पोछा लगाने के लिए उपयोग में लिए जाने वाले कीटनाशी के साथ घरों में उपयोग किये जाने वाले केमिकल पेंट, रंग-रोगन में उपयोग किये जाने वाले उत्पाद भी प्रदूषण और एलर्जी के प्रमुख कारक बनते जा रहे है।

ग्रामीण क्षेत्र में रोजमर्रा के काम में प्रदूषित ईंधन बड़ा कारण है। प्लास्टिक का अधिकतम उपयोग, ओवन ओटीजी, आरओ आदि उपयोगी वस्तुएं भी प्रदूषण का कारण बनती जा रही है। इसके साथ ही फ्रीज में ऐसी वस्तुओं का उपयोग जिनका फ्रीज में उपयोग नहीं किया जाना भी एक कारण है। देखा जाए तो घरेलू प्रदूषण के कारक हमारे रोजमर्रा के काम आने वाली वस्तुएं ही हैं। सामान्य तौर पर हम इनके दुष्प्रभावों से अधिकांशतः तो अनभिज्ञ रहते हैं। अब अगरबत्ती या धूपबत्ती या मच्छररोधी दवा आदि में उपयोग में होने वाले केमिकल एलर्जी का प्रमुख कारण बन जाते हैं। दरअसल उत्पादों की गुणवत्ता और उनमें उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर काफी कुछ निर्भर करता है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

इजराइल के खिलाफ अमेरिका का अप्रत्यक्षित दंडात्मक कदम

गोंदिया

वैश्विक स्तरपर सर्वादित है कि 7 अक्टूबर 2023 से शुरू इजराइल में पश्चिमी देश पूरी तरह से इजरायल केसमर्थन में तो वहीं रूस यूक्रेन युद्ध में भी पश्चिमी देश यूक्रेन के साथ रहे हैं। इन दोनों युद्ध से दुनियां तीन खेलों में बट गई है। पक्ष विपक्ष और न्यूट्रल, ऐसे में इसका प्रभाव संयुक्त राष्ट्र और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सभाओं व चुनाव में देखने को मिला है, जिसमें भारत ने पूरी तरह से न्यूट्रल नीति अपना रखी है। इजराइल हमास युद्ध में अमेरिका पूरी तरह से इजरायल के साथ होते हुए भी दिनांक 6 दिसंबर 2023 को अमेरिका विदेश मंत्रालय ने एक अहम जानकारी साझा की जिसमें इजरायल के खिलाफ ठोस अप्रत्यक्ष दंडात्मक कदम उठाया गया है। जिसपर इसराइल सहित पूरी दुनिया हैरान है। याने वेस्ट बैंक पर वीजा प्रतिबंध नीति जो शांति सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करने वालों पर लागू होगी। चूंकि अमेरिका द्वारा इजराइल के खिलाफ अप्रत्यक्षित दंडात्मक कदम की मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अमेरिका ने वेस्ट बैंक में शांति सुरक्षा व्यवस्था को कमजोर करने वालों पर वीजा प्रतिबंध लगाया। साथियों बात अगर हम वेस्ट बैंक पर नई वीजा प्रबंध नीति की करें तो, ब्लिंकन ने कहा कि विदेश विभाग एक नई वीजा प्रतिबंध नीति लागू कर रहा है, जिसमें ऐसे व्यक्तियों को निशाना बनाया जा रहा है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे वेस्ट बैंक में शांति, सुरक्षा या स्थिरता को कमजोर करने में शामिल थे। इसमें जिसमें हिंसा के कृत्य करना या अन्य कार्रवाई करना शामिल है, जो आवश्यक सेवाओं और बुनियादी जरूरतों तक नागरिकों की पहुंच को अनुचित रूप से प्रतिबंधित करते हैं वेस्ट बैंक हिंसा में अमेरिका सख्त होते हुए वेस्टबैंक में हिंसा में शामिल नगरों को के वीजा पर लगाया बयान अमेरिका ने हिंसा में शामिल लोगों का वीजा प्रतिबन्ध लगना शुरू किया है। अमेरिकी प्रशासन ने कहा व्यक्तिगत वीजा प्रतिबंधों की घोषणा नहीं की थी वेस्ट बैंक में बसने वाले दर्जनों यहूदियों और उनके परिजनों को प्रभावित कर सकते हैं। अमेरिका ने वेस्ट बैंक में हिंसा करने वाले यहूदियों पर यात्रा प्रतिबंध लगाने का एलान किया है।

"नास्तिकतावाद" पर गोष्ठी संपन्न

वैदिक प्रवक्ता आचार्य अतुल सहगल ने कहा कि नास्तिकतावाद सत्य,ज्ञान और यथार्थ से परे हैं।उन्होंने कहा कि जब ईश्वर परम सत्य है तो नास्तिकतावाद मिथ्या धारणा के अतिरिक्त और क्या हो सकता है? वेद सब सत्य विद्याओं का पुस्तक है और वेद के अधिकांश मन्त्र ईश्वर की बात ही करते हैं और उसे ब्रह्माण्ड का कर्त्ता,धर्ता और नियंता बताते हैं।अनेक मन्त्र ईश्वर को परम सत्ता मानते हुए उसका ही गुणगान करते हैं तो फिर नास्तिकतावाद वेद विरुद्ध अवधारणा के अतिरिक्त और क्या है?साथ ही नास्तिकतावाद के प्रारम्भ की चर्चा करते हुए कहा कि इसका उदगम चार्वाक दर्शन से हुआ जिसका प्रवर्तक प्राचीन काल में बृहस्पति नामक एक व्यक्ति था। यह दर्शन भौतिकवादी है और ईश्वर का खंडन करता है। यह लोकमय दर्शन कहलाता है क्योंकि यह जड़वादी है।वर्त्तमान समय के नास्तिकवादी लोग इसी दर्शन को पकड़े हुए हैं।आज विश्व में लगभग 15 प्रतिशत लोग नास्तिकवादी हैं जिसमें से सौ करोड़ लोग केवल चीन में रहते हैं। बड़े दुर्भाग्य की बात तो यह है कि नास्तिकतावाद का कीड़ा आज के युवा वर्ग को अधिक ग्रसित किये हुए है।इसके कारण युवा वर्ग भटक सा रहा है।जीवन में भौतिक सुखों को भोगना ही नास्तिकवादियों के लिए मुख्य और महत्वपूर्ण विषय है अन्य विषय गौण बन जाते हैं।इन सब बातों को सामयिक परिपेक्ष्य में वक्ता ने कहा कि नास्तिकतावाद मनुष्य को भौतिकता में जकड़ लेता है।इसका परिणाम प्रारंभिक और मध्यकाल में सुख हो सकते हैं पर अंततः दुख ही होते हैं।

आज नास्तिकतावाद से उत्पत्र कई विचारधारायें और संस्थाएं भी निर्मित हो चुकी हैं जो मानव के लिए अहितकर और अकल्याणकारी हैं।वामपंथ बढ़ोत्तरी पर है।वक्ता ने तत्पश्चात नास्तिकतावाद का प्रतिकार करने पर जोर दिया। यह कहा कि व्यापक और विस्तृत वेद प्रचार की और मौलिक मानवतावादी एवं ईश्वरवादी धारणाओं को प्रबल करने की आवश्यकता है ' वर्तमान समाज के कई उदाहरण देते हुए अपनी बातों की पुष्टि की। वेद प्रचार ही उन सब रोगों की औषधि है जो नास्तिक और अनीश्वरवादी विचारों से उत्पन्न हुए हैं। हमें ऋषि दयानन्द के बताये हुए मार्ग पर चलना है और उस मार्ग से भटके हुए जनों को उस मार्ग पर लाना है।

न्यूज फ्लैश

बड़वासनी पुलिया पर जाम की स्थिति दूर करने के लिए उपायुक्त ने किया कमेटी का गठन

सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया

बड़वासनी पुलिया पर जाम की समस्या का संज्ञान लेते हुए उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने समस्या के समाधान के लिए कमेटी का गठन किया है। उन्होंने कहा कि गठित की गई कमेटी जाम की समस्या का हल खोजने के साथ स्थाई समाधान के लिए कदम बढ़ायेगी। कमेटी से सुझाव भी मांगे गए हैं, ताकि शीघ्रातिशीघ्र जाम की समस्या से लोगों को निजात दिलवाई जा सके। पिछले कुछ समय से गोहाना रोड स्थित बड़वासनी पुलिया पर जाम की समस्या देखने को मिली है, जिसका उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने तुरंत प्रभाव से समस्या को दूर करने के लिए प्रयासों को गति दी है। इसके लिए उन्होंने एसडीएम सोनीपत की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया है, जिसमें डीसीपी (वेस्ट) को विशेष रूप से शामिल किया गया है। प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारी मिलकर समस्या का समाधान खोजेंगे, जिसमें विभागीय अधिकारियों का विशेष सहयोग लिया जाएगा। उपायुक्त ने कमेटी के गठन के साथ निर्देश दिए कि कमेटी संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ जाम की समस्या से निपटने के लिए तालमेल के साथ आगे बढ़े। एनएचएआई, आरटीए तथा पीडब्ल्यूडी और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर बड़वासनी पुलिया के जाम को खत्म करने का हल निकालें। इसके लिए उन्होंने कमेटी को एक सप्ताह का समय दिया है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयावधि में कमेटी जाम की समस्या का पूर्ण समाधान निकालकर रिपोर्ट प्रेषित करें। उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने कहा कि लोगों को जाम के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसे दूर करने के लिए जिला प्रशासन प्रयासरत है। बड़वासनी पुलिया पर जाम की समस्या के समाधान में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। जल्द ही समस्या का समाधान खोजकर उसे अमलीजामा पहनायेंगे। आम जनमानस को बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए वे हर वक्त उपलब्ध हैं। सुचारू ट्रैफिक व्यवस्था के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

नगर निगम में सीएम फ्लाइंग ने की रेड

करनाल/राजकुमार शर्मा

नगर निगम में शुक्रवार को सीएम फ्लाइंग की टीम ने रेड की। टीम नगर निगम द्वारा चलाए गए साप्ताहिक स्वच्छता अभियान के कार्यों की जांच कर रही है। कहां-कहां सफाई हुई और कहां नहीं, टीम ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। टीम ने निगम में संबंधित सफाई अभियान कार्य का रिकॉर्ड भी खंगाला और अधिकारियों व कर्मचारियों से पूछताछ भी की। टीम द्वारा अब तक यह खुलासा नहीं किया गया कि छापेमारी के दौरान कहां पर खामियां मिली।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देश पर पूरे हरियाणा में एक दिसंबर से 7 दिसंबर तक एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया था। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आज सीएम फ्लाइंग की टीम निगम का रिपोर्ट कार्ड चेक करने के लिए पहुंच गई। सीएम फ्लाइंग की टीम को आदेश मिले हैं कि निगम को सफाई का जो काम सौंपा गया था, वह अच्छी तरह से हुआ है या नहीं? साप्ताहिक अभियान के बावजूद भी कहीं पर कोई कचरा, सीएनडी वेस्ट या अन्य कोई हॉर्टिकल्चर वेस्ट तो नहीं पड़ा।

निगम के अधिकारी सुरेंद्र चोपड़ा ने बताया कि सफाई अभियान के लिए 3 जेसीबी, 11 ट्रैक्टर-ट्रॉली व 80-90 सफाई कर्मचारियों के साथ उन स्थानों की सफाई की गई, जहां पर सबसे ज्यादा गंदगी थी। अलग-अलग सेक्टर और कॉलोनियों में सफाई टीमें पहुंची थी। चाहे वह सीएनडी वेस्ट हो या हॉर्टिकल्चर वेस्ट या फिर आम कचरा। सभी कचरे को शेखपुरा के पास डंपिंग प्लांट में डाला गया है और हॉर्टिकल्चर वेस्ट को फूसगढ़ के पास डाला गया है। सीएम फ्लाइंग की टीम ने सेक्टर-7 व 13 में पहुंचकर सफाई का जायजा लिया। टीम ने निगम कर्मचारियों की कार्यप्रणाली भी देखी। इसी दौरान जेसीबी द्वारा कचरा उठाकर ट्रैक्टर-ट्रॉली में डाला गया। सीएम फ्लाइंग के अधिकारियों की माने तो वह यह देखना चाह रहे हैं कि क्या नगर निगम ने सफाई अभियान के दौरान अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाई है या नहीं।

बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ-साथ संस्कारवान बनाने के लिए करें कार्य : आचार्य

घरौंडा में एक निजी स्कूल के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि की शिरकत

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि हमें बच्चों को अच्छी शिक्षा, अच्छा स्वास्थ्य के साथ-साथ संस्कारवान बनाने के लिए भी कार्य करना चाहिए, तभी वे प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की तरक्की में भागीदार बनेंगे।

राज्यपाल अचार्य देवव्रत शुक्रवार को करनाल के घरौंडा में स्थित एक निजी स्कूल के कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन को उन्नति की तरफ ले जाने के लिए शिक्षा का अहम योगदान है। हमें बच्चों को संस्कारित व उत्तम शिक्षा देनी चाहिए। इससे न केवल बच्चे का विकास होगा, बल्कि परिवार, देश व समाज के लिए भी यह बेहद जरुरी है। उन्होंने कहा कि भौतिक रूप से हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं लेकिन हमारे आदर्श और हमारी परंपराओं को संभालकर रखने की जरुरत है। इन आदर्शों और परंपराओं को हमारे देश की युवा पीढ़ी ही संभालकर रखेगी।

भारतीय जीवन मूल्य हमारी धरोहरः राज्यपाल ने कहा कि भारतीय जीवन मूल्य हमारी धरोहर है। पहले हम संयुक्त परिवार में रहते थे, एक दूसरे के सुख-दुख की बात करते थे। आभाव में रहकर भी चैन की नींद लेते थे और सुखी जीवन जीते थे। इस बनावटी जीवन में सुख नहीं है। हमें अपने जीवन मूल्यों को ध्यान में रखकर अपने बच्चों को संस्कार देने हैं, ताकि हमारे बच्चे सामाजिक, राष्ट्रीय जिम्मेदारी का निर्वहन कर सके। उन्होंने कहा कि आज आर्य स्कूल घरौंडा जैसे कुछ शिक्षण संस्थान शैक्षणिक शिक्षा के साथ-साथ विचारों की दृष्टि से संस्कारों से जुड़ी शिक्षा भी दे रहे हैं, जिससे हमारे बच्चे वैचारिक दृष्टि से आगे बढ़ रहे हैं।

हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही बेटियांः आचार्य देवव्रत ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आज हर क्षेत्र में बेटियां आगे बढ़ रही हैं। एक जमाना था जब बेटियों को पढ़ाई से वंचित रखा जाता था।

मोदी की गारंटी वाली यात्रा पहुंची गांव-गांवः अर्चना गुप्ता

पानीपत/कमाल हुसैन

भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने शुक्रवार को समालखा खंड के गांव करहंस में विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद के दौरान आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा मोदी की गारंटी वाली यात्रा है जो पात्र लोगों को लाभ देने के लिए गांव-गांव में पहुंची है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे गांव में पहुंचे सरकारी विभागों के साथ अपने से संबंधित योजनाओं की बारीकी से जानकारी लें और इनके लिए आवेदन भी करें। डॉ अर्चना गुप्ता ने उपस्थित जनसमूह के सामने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल के बारे में विस्तृत जानकारी दी और योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने एडीसी वीना हुड्डा से अनुरोध किया कि अगले दिनों में विकसित भारत संकल्प यात्रा में आधार कार्ड से संबंधित त्रुटि ठीक करवाने के लिए भी स्टॉल लगवाई जाए ताकि लोग अपने आधार कार्ड की गलतियों को भी दुरुस्त करा सकें।

अवैध हथियार व जिंदा कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

एक पिस्तौल, 17 जिंदा कारतूस, दो मैगजीन व एक फॉर्च्यूनर गाड़ी बरामद

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

सीआईए वन की टीम द्वारा आरोपी बलिन्द्र कुमार पुत्र मलखान सिंह वासी गांव बसताड़ा को किसी वारदात को अंजाम देने की विश्वसनीय सूचना पर मयूर ढाबा करनाल के पास से एक फॉर्च्यूनर गाड़ी सहित गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से एक अवैध पिस्तौल 32 बोर, 17 जिंदा कारतूस व दो मैगजीन बरामद की गई। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ थाना सदर में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

प्रारम्भिक पूछताछ में आरोपी खुलासा किया गया कि वह करनाल के ढाबे चलाने का काम करता है। वह उपरोक्त हथियार को किसी वारदात को अंजाम देने के लिए दो दिन पहले ही नरसी विलेज की रहने वाली अपनी भाभी से लेकर आया था। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी के खिलाफ पहले भी पांच मामले लडाई-झगड़े के तहत दर्ज हैं। इन मामलों में आरोपी गिरफ्तार हो चुका था और फिलहाल जमानत पर बाहर चल रहा था।

आरोपी को आज अदालत में पेश करके एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। दौराने रिमांड आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी और जिस महिला से आरोपी हथियार लेकर आया था, उसको गिरफ्तार करके मामले के अन्य तथ्यों का खुलासा किया जाएगा।

बच्चों को दी गई पोक्सो एक्ट की जानकारी

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

जिला बाल संरक्षण इकाई करनाल के सौजन्य से बांसो गेट के सरकारी स्कूल में एक जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में प्रोटेक्शन ऑफिसर सुमन नैन ने बच्चों को पोक्सो एक्ट की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों जानकारी दी कि यदि कोई बच्चा मानसिक तथा शारीरिक रूप से प्रताड़ित हो रहा है तो उसकी शिकायत कहां और कैसे करवा सकते हैं। इस अवसर पर पूनम श्योरायण द्वारा बच्चों को बाल श्रम, बाल विवाह, मोबाइल फोन के दुष्प्रभाव, साइबर क्राइम तथा 1098 नंबर की विस्तृत जानकारी दी गई, जिसमें बच्चों को मोबाइल फोन से होने वाले दुष्प्रभाव जैसे आंखों पर असर पड ?ा तथा मानसिक रूप से बच्चे पर प्रभाव पड ?ा तथा मोबाइल पर होने वाले साइबर क्राइम के बारे में बताया गया।

मंडल आयुक्त ने मतदाता पुनरीक्षण के लिए बनाए गए बूथों का किया निरीक्षण

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

करनाल मंडल आयुक्त डॉ. साकेत कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के क्रम में जिले के असंध विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत कई मतदेय स्थलों पर लगाए गए शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने शुक्रवार को असंध विधानसभा क्षेत्र के धनौली गांव व असंध शहर के राजकीय स्कूलों में बने बूथों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ने बताया कि निर्वाचन आयोग के अनुसार 9 दिसंबर तक वोटों के पुनरीक्षण कार्य का विशेष अभियान चलाया हुआ है। सभी बीएलओ सम्बन्धित बूथ पर बैठकर मतदाता पुनरीक्षण का कार्य संपादित करेंगे। उन्होंने उन्होंने सभी बूथों सबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों को निर्देशित दिए कि कल शनिवार को अंतिम दिन घर से निकलकर मतदान केन्द्रों पर संचालित पुनरीक्षण कार्य का पर्यवेक्षण कर बीएलओ की उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुए उनका मार्गदर्शन करें। उन्होंने बीएलओ को शहर व ग्राम के सभी घरों में भ्रमण कर छूटे हुए महिलाओं, लड़कियों सहित मतदाता सूची में सम्मिलित होने की पात्रता रखने वाले शत-प्रतिशत लोगों को वोटर बनाने के निर्देश दिये।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत तेजी से बढ़ रहा स्पोर्टस इन्फ्रास्ट्रक्चर : यादव

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

करनाल में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत स्पोर्टस इन्फ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विकास हो रहा है। इन सुविधाओं से यहां के खिलाडि ?ों को अपने शहर में ही प्रतिभा को निखारने के अवसर मिलेंगे। इन्हीं खेल सुविधाओं में से एक कैलाश गांव में राष्ट्रीय स्तर के हॉकी स्टेडियम का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। जल्द ही यह जनता को समर्पित होगा। इसके अलावा कर्ण स्टेडियम में होस्टल का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इस होस्टल में 76 कमरे बनाए गए हैं, जिनमें से 44 कमरे पुरूष खिलाड़ी तथा 32 कमरे महिला खिलाडि ?ों के लिए बनाए गए हैं। इसके बनने से करीब 152 खिलाडि ?ों के ठहरने की एक अच्छी व्यवस्था उपलब्ध हो जाएगी।

उपायुक्त एवं केएससीएल के सीईओ अनीश यादव ने उक्त नवनिर्मित हॉकी स्टेडियम व होस्टल के बेहतरीन संचालन को लेकर लघु सचिवालय के सभागार में शुक्रवार को जिला खेल अधिकारी व कोचिज के साथ विचार विमर्श किया और उनसे सुझाव मांगे। उन्होंने कहा कि हॉकी स्टेडियम का बढि ?ा तरीके से रख-रखाव करने, खिलाडि ?ों को बेहतरीन प्रशिक्षण देने जैसी मूलभूत सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। इसी प्रकार से कर्ण स्टेडियम में नवनिर्मित होस्टल के संचालन को लेकर भी उक्त अधिकारियों से चर्चा की और निर्देश दिए कि खिलाडि ?ों को अच्छी डाइट उपलब्ध हो, सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम, साफ-सफाई को विशेष प्रबंध तथा उनके ठहरने के साथ-साथ अनुशासन का भी पूरा ध्यान रखा जाए।

बता दें कि उपायुक्त अनीश यादव के नेतृत्व में करनाल शहर में स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और सभी प्रोजैक्टों पर नजर बनाए हुए हैं। इसी कड़ी में सेक्टर 32 स्थित इन्डोर स्पोर्टस कॉम्पलैक्स का कार्य भी प्रगति पर है। इसके अलावा खेल सुविधाओं की कड़ी में कर्ण स्टेडियम में मल्टी पर्पज हॉल, स्टेज बिल्डिंग, एडमिन ब्लॉक व जिनास्टिक हॉल का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

इस अवसर पर स्मार्ट सिटी के जनरल मैनेजर रामफल सिंह, जिला खेल अधिकारी सुधा भसीन तथा सभी कोचिज मौजूद रहे।

पेट दर्द के बाद महिला की मौत

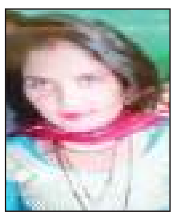

करनाल/राजकुमार शर्मा

जिले के गांव ऊंचा समाना में महिला की घर में रखी पेन किलर खाने के बाद मौत हो गई। परिवार का कहना है कि गुरूवार को महिला के पेट में दर्द हुआ। उसने घर में रखी दर्द निवारक दवा खा ली। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ती चली गई। उसे प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय सीमा की शादी 10 साल पहले शमशेर के साथ हुई थी। गुरुवार दोपहर को सीमा को अचानक पेट में दर्द हुआ था। पति शमशेर ने बताया कि वह काम पर गया हुआ था। जैसे ही उसे सूचना मिली तो वह तुरंत घर पहुंचा और गांव के ही मुकेश नाम के डॉक्टर को बुलाया।

जिसने उसकी हालत को देखते हुए कहा कि सीमा की हालत काफी गंभीर है, इसे अस्पताल लेकर जाओ। शमशेर ने बताया कि सीमा की तबीयत ज्यादा खराब होते देख वह बाइक पर ही उसे प्राइवेट अस्पताल ले गया। वह मधुबन के पास अस्पताल में गए।

वहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। गुरूवार देर शाम को ही महिला ने दम तोड़ दिया।

मधुबन थाना के जांच अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने शुक्रवार दोपहर को महिला के शव का पोस्टमॉर्टम करवा उनके हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता लग पाएगा।

शराबी ने अपने ही घर में लगाई आग

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

जिले के गांव पुंडरी में एक व्यक्ति ने शराब पीकर अपने ही घर में आग लगा दी। यहीं नहीं उसने पत्नी व बच्चों के साथ बुरी तरह मारपीट भी की। पत्नी का कान फाड़ दिया। पीड़िता ने डायल 112 को सूचित किया। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची।

पडोसियों ने बताया कि आरोपी नशे का आदी है और नशे की हालत में अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता है। गुरुवार को भी वह बच्ची को मार रहा था। जिसके हाथ में से बच्ची को छीना और सुरक्षित स्थान पर ले गए। फिर उसने घर में आग लगा दी। आग लगने से सारा सामान जलकर राख हो गया। गैस सिलेंडर के कारण कोई बड़ा हादसा न हो जाए, इसलिए सबसे पहले गैस का सिलेंडर बाहर निकाला गया। आगजनी की इस घटना में बेड, कपड़े, अलमारी, खाद्य सामग्री व अन्य कीमती सामान जलकर राख हो गया।

योग करें और कई बिमारियों से रहे दूरः दिनेश गुलाटी

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान में आईसीएआर और आईएआरआई मेगा विश्वविद्यालय करनाल हब में देश के विभिन्न राज्यों से आए स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) एवं विद्या वचनस्पति (पीएचडी) के लगभग पैंतीस छात्र छात्राओं ने योग कक्षा में भाग लिया।

संस्थान के निदेशक डॉ ज्ञानेंद्र सिंह ने अपने स्वागत संबोधन में योग के महत्व के बारे में बताया कि आजकल तेजी से बदलती जीवन शैली में हम सभी को आत्मनिर्भर और स्वस्थ बने रहने की नितांत आवश्यकता है। योग एक ऐसा साधन है, जो हमारे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य की समृद्धि की दिशा में मार्गदर्शन करता है। यह शिक्षा के क्षेत्र में संतुलन, सहयोग और समर्पण की भावना भी प्रदान करता है।

मुख्य अतिथि योग गुरु दिनेश गुलाटी ने योग पर विशेष चर्चा करते हुए इसके विभिन्न आयामों तथा संकल्पपूर्वक योग को नियमित रूप से करने पर होने वाले स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि योग हमारे शरीर को लचीलापन एवं मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ रक्त संचार को सुधारने में मदद करता है। मानसिक चंचलता व चिंता को कम करते हुए आत्म विकास को मजबूती प्रदान करने में सहायक है। सभी छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी योग को अपना कर अधिक उत्साही एवं आत्मविश्वास के साथ स्वस्थ एवं सुजीवन जी सकते हैं।

'विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व की ताकत को पहचान कर करें लक्ष्य निर्धारण'

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

करनाल के अलग-अलग स्कूलों से होती हुई देश की बात अभियान की टीम आज रेलवे रोड स्थित एसबीएस मॉडर्न स्कूल में पहुँची और विद्यार्थियों से उनके बेहतर भविष्य व व्यक्तित्व विकास पर चर्चा की। दो माह के अभियान में लगभग 1.5 लाख विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने जा रहे इस अभियान की शुरूआत सामाजिक संस्था नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्टस (निफा) द्वारा की गई है और जेनेसिस क्लासेज, प्रथम, सहोदय स्कूल काम्प्लेक्स व कानन इंटरनेशनल का इसमें विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

आज के आयोजन में विद्यालय प्रबंधक कमेटी के महासचिव एडवोकेट जीपी सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। प्रिंसिपल डॉ. हरजीत कौर ने कहा कि आज के समय में बच्चों को जीवन पथ पर आगे बढ ? के लिए सही मार्गदर्शन मिलना बेहद महत्वपूर्ण है और निफा का यह अभियान इस दिशा में एक सार्थक कदम है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए।

एसबीएस स्कूल की अध्यापिका मीनाक्षी सहगल ने मंच संचालन करते हुए निफा के इस अभियान की प्रशंसा को कविता के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि देश की बात आओ करें देश की बात निफा लाया अद्भुत सौगात चर्चा होगी, होगा जिक्रे हालात देश को आगे बढ़ाने की होगी बात।

उल्लेखनीय है कि 26 नवम्बर से 26 जनवरी-देश की बात नाम से आयोजित किए जा रहे इस अभियान में जहाँ विद्यार्थियों को सफल, सक्षम व जिम्मेदार इंसान बनने के लिए आवश्यक कदमों की जानकारी दी जा रही है, वहीं मेरे सपनों का भारत विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता करवाकर उनकी छिपी प्रतिभा को निखारने का प्रयास भी किया जा रहा है। इस अभियान के मुख्य सूत्रधार व मुख्य वक्ता निफा के संस्थापक अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह पन्नु ने आज विद्यार्थियों को निजी जिंदगी के अनुभवों को बताते हुए उन्हें अपने व्यक्तित्व की ताकत को पहचान कर लक्ष्य निर्धारण करने की सलाह दी।

सभी विद्यार्थियों को अपना अपना स्वॉट परीक्षण करने की तकनीक बताई गई, जिसके माध्यम से वो अपनी ताकत, कमजोरियों, भविष्य में उपलब्ध अवसरों व लक्ष्य प्राप्ति में आने वाली मुश्किलों का पहले से अवलोकन कर सकते हैं और बेहतर तरीके. से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

यात्रा के दौरान दी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी

करनाल/टीम एक्शन इंडिया

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत नीलोखेड़ी हलके के सुल्तानपुर तथा असंध के पधाना गांव में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान यात्रा को देखने के लिए गांव में बड़ी संख्या में बच्चे, बूढ़े व युवा पहुंचे और सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाली गारंटी गाड़ी का जोरदार स्वागत किया।

यात्रा के दौरान आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में सुल्तानपुर गांव में नीलोखेड़ी के पूर्व विधायक भगवानदास कबीरपंथी तथा पधाना गांव में भाजपा जिलाध्यक्ष योगेन्द्र राणा व असंध के पूर्व विधायक बक्शीश सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी अपनी अपनी समस्याओं को रखा, जिनमें से ज्यादातर समस्याओं का मौके पर निदान किया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने देशभक्ति की कविताएं, सामूहिक व एकल नृत्य प्रस्तुत करके ग्राम वासियों का मन मोहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों द्वारा विकसित भारत की शपथ भी ग्रामीणों को दिलाई गई।

कार्यक्रम में पहुंचे जिलाध्यक्ष योगेन्द्र राणा, भगवान दास कबीर पंथी व बक्शीश सिंह ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों का अवलोकन किया गया। सुल्तानपुर गांव में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जो सम्मान शहीदों के परिजनों को मोदी सरकार ने दिलाया है इससे पूर्व किसी भी सरकार ने नहीं दिलाया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हर वर्ग के उत्थान को लेकर योजनाएं बनाई है जिनका हर वर्ग के लोगों को लाभ पहुंच रहा है।

जानकारी

रोजाना इन पीली गोलियों का सेवन आपके शरीर को देता है ये फायदे

ओमेगा 3 फैटी एसिड पोलीअनसैच्युरेटेड फैटी एसिड का एक समूह है, जो हमारे शरीर की गतिविधियों के लिए बेहद जरूरी है। ओमेगा 3 फैटी एसिड प्राकृतिक रूप से सैल्मन, टूना और ट्राउट जैसे सीफूड में पाया जाता है। एक और तरीके का ओमेगा 3 भी होता है, जिसे एएलए कहते हैं, जो कि कुछ सब्जियों, सोया और सफेद सरसों के तेल में पाया जाता है। ओमेगा 3 का सेवन करना बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा शरीर खुद से इसे नहीं बना सकता जैसा कि अन्य फैट्स करते हैं। पीले रंग की इन गोलियों का सेवन आपको रोजाना करना चाहिए। इन पीली गोलियों के रोजाना सेवन से आप इन 4 रोगों से दूर रह सकते हैं।

अवसाद और चिंता से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

अवसाद और चिंता वर्तमान में सबसे आम मानसिक बीमारियों में से हैं। अवसाद के लक्षणों में उदासी, आलस्य और किसी काम में मन न लगना जैसी चीजें शामिल हैं। जबकि चिंता में निरंतर घबराहट जैसी समस्या रहती है। हैरानी की बात ये कि कई अध्ययनों से यह संकेत मिले हैं कि जो लोग रोजाना ओमेगा 3 का सेवन करते हैं, उनके अवसादग्रस्त या चिंतित होने की संभावना बहुत कम होती है। इसके साथ ही अवसाद और चिंता से पीड़ित लोगों ने ओमेगा 3 का रोजाना सेवन करने के बाद अपने लक्षणों में सुधार की बात भी कही है।

आपको आंखों को तेज बनाने का काम करता है ओमेगा 3

जब आपको पर्याप्त डीएचए नहीं मिल पाता तब आपको देखने की समस्या होने लगती है। डीएचए भी एक प्रकार का ओमेगा-3 है। नियमित रूप से ओमेगा-3 का सेवन मैक्यूलर डिजेनेरेशन के जोखिम को कम करता है। इस रोग के कारण कोई भी व्यक्ति स्थायी रूप से आंखों की रोशनी खो सकता है।

ऑटोइम्युन डिजिज से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

ऑटोइम्युन डिजिज में आपका इम्युन सिस्टम आपके हेल्दी सेल्स को बाहरी सेल्स मानकर उनपर हमला कर देता है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि आपके पैंक्रियाज में इंसुलिन पैदा करने वाले सेल्स पर भी आपका इम्युन सिस्टम हमला करता है, जिसका कारण आप टाइप-1 डायबिटीज का शिकार हो जाते हैं।

डेंगू और जीका वायरस को रोकने के लिए खोजा गया नया तरीका

मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां जैसे डेंगू और जीका वायरस को रोकने का अब एक प्राकृतिक उपाय निकाल लिया गया है। सबसे अच्छी बात ये है कि इस बीमारी की रोकथाम में अब एक ऐसी पद्धति का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे पर्यावरण को कोई हानि नहीं पहुंचेगी। यानी कि अब हम बीमारियों को रोकने में भी एक सस्टेनेबल मेथड का इस्तेमाल करने की ओर बढ़ रहे हैं। बता दें कि आज पूरी दुनिया को सस्टेनेबल डेवलपमेंट सिद्धांत के तहत विकास के कार्यों की जरूरत है और बीमारियों के लिए ऐसे उपचार पद्धति को ढूंढना एक बड़ी बात है। दरअसल डेंगू और जीका वायरस जैसे मच्छर जनित बीमारियों के रोकथाम में बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक बैक्टीरिया स्ट्रेन का इस्तेमाल किया जाएगा। आइए हम आलेख में आपको विस्तार से बताते हैं इसके बारे में।

36 डिग्री सेल्सियस तापमान वाली जगहों पर सफल

अब, मेलबोर्न, ग्लासगो और मलेशिया के शोधकर्ताओं की इस अंतरराष्ट्रीय टीम ने दिखाया है कि वल्बाचिया का डब्ल्यूएएलबी स्ट्रेन 36 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक के दैनिक चरम तापमान में भी स्थिर और प्रभावी है, जैसा मलेशिया के डेंगू क्षेत्रों में। मेलबर्न यूनिवर्सिटी के बायो 21 इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर हॉफमैन ने कहा कि निष्कर्ष उन कई देशों में फर्क कर सकते हैं, जहां डेंगू बड़ी मात्रा में लोगों को बीमार कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन हमें क्षेत्र में सफल शुरुआत के लिए के लिए सही है पर एक घनी शहरी आबादी पर इसके इस्तेमाल को लेकर हम अभी कुछ भी कह पाने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हस्तक्षेप कीटनाशक अनुप्रयोगों और अन्य चुनौतियों के बावजूद सफल हुआ, जो कि वल्बाचिया के प्रयोग के लिए अच्छा है।

क्या है बैक्टीरिया वल्बाचिया?

बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक ये बैक्टीरिया स्ट्रेन मच्छरों को मनुष्यों में अपने वायरस को स्थानांतरित करने से रोक सकता है। मेलबोर्न और ग्लासगो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और मलेशिया में इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल रिसर्च ने कुआलालमपुर में साइटों पर डेंगू के मामलों को इस तरीके का इस्तेमाल करके कम करने में सफलता प्राप्त की है। उनके द्वारा प्रकाशित तथ्यों की मानें, तो करंट बायोलॉजी दिखाता है कि वल्बाचिया के डब्लू।बीबी स्ट्रेन को ले जाने वाले मच्छरों पर जब इसका इस्तेमाल किया गया, तो डेंगू के मामलों में 40 फीसदी तक की कमी आई। इससे पहले मेलबर्न विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर्य हॉफमैन सहित वैज्ञानिकों ने इस बैक्टीरिया के एक अलग स्ट्रेन का उपयोग करके मच्छर पर सफल प्रयोग किया है, लेकिन कुछ स्थितियों में ये असफल भी रहा। वहीं मलेशिया जैसे भूमध्यरेखीय देशों में मच्छरों की जंगली आबादी पर ये बैक्टीरिया इन्हें रोकने में सक्षम नहीं दिखे।

फॉगिंग भी हुआ कम

शोधकर्ताओं ने डेंगू वाले कुआलालपुर में छह अलग-अलग साइटों में वल्बाचिया के डब्ल्यूएएलबी स्ट्रेन को एडीज एजिप्टी मच्छरों पर इस्तेमाल किया। वोल्बाचिया नर और मादा दोनों जंगली मच्छरों की आबादी में संभोग करते वक्त अंदर चली गई, जिसके परिणामस्वरूप वायरस-फैलाने वाले बैक्टीरिया का प्रसार हुआ और इसने अपना काम करना शुरू कर दिया। इन साइटों पर डेंगू के मामलों को कम करने की सफलता ने इन क्षेत्रों में कीटनाशक फॉगिंग को समाप्त कर दिया है, जिससे इस पद्धति के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ दोनों उजागर होते हैं। मआरसी-यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो सेंटर फॉर वायरस रिसर्च के प्रोफेसर स्टीवन सिंकिन्स ने कहा कि यह सफलता उन देशों के लिए खुशखबरी है, जो मच्छर जनित बीमारियों को सहन कर रहे हैं।

सेहत

कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से हो सकता है ब्रेन डैमेज

नहाने के बाद कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से ब्रेन डैमेज हो सकता है। जानें कान से पानी निकालने का सुरक्षित और आसान तरीका क्या है?

नहाने या स्विमिंग करने के बाद कान में भरे पानी को निकालने के लिए अक्सर लोग सिर को तेजी से झटका देते हैं। मगर हाल में हुई एक रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने लोगों को आगाह किया है कि ऐसा करना उनके लिए खतरनाक हो सकता है। दरअसल नया शोध बताता है कि कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है। ये रिसर्च वर्जीनिया की Cornell University द्वारा की गई है। शोधकर्ताओं के अनुसार सिर को झटका देने से ब्रेन के डैमेज होने का खतरा बच्चों में ज्यादा होता है।

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने किया है शोध

भारतीय मूल के शोधकर्ता और इस रिसर्च पेपर के प्रमुख लेखक अनुज बस्कोटा कहते हैं कि हमारी रिसर्च मुख्य रूप से इस बात पर आधारित थी कि कान से पानी निकालने के लिए कितना झटका देना सही है। उन्होंने ये रिसर्च पेपर सीएटल शहर में पिछले सप्ताह अमेरिकन फिजिकल सोसायटी की Division of Fluid Dynamics की सालाना मीटिंग के दौरान प्रस्तुत किए थे। अनुज ने आगे बताया कि शोध में हमने ग्लास ट्यूब और थ्री-डी प्रिंटेड ईयर कैनाल का इस्तेमाल कर पता लगाया कि छोटे बच्चों के कान के लिए ग्रैविटी (गुरुत्वाकर्षण) के बल से 10 गुना तेज बल खतरनाक हो सकता है। इससे उनके मस्तिष्क को नुकसान भी पहुंच सकता है।

क्यों जाकर रुक जाता है कान में पानी?

जब आप नहाते हैं या स्विमिंग करते हैं, तो आपके कान में पानी का जाना स्वाभाविक है। मगर कान का आकार पाइप जैसा होता है और इसकी बनावट भी ऐसी होती है कि पानी बहुत अंदर तक नहीं जाता है। जो थोड़ी बहुत मात्रा में पानी जाता भी है, तो वो अपने आप बाहर आ जाता है। मगर कई बार कान में पानी जाने के बाद अपने आप न निकलने के कारण ऐसा महसूस होता है कि पानी की एक पर्त कान में जमा हो गई है। शोधकर्ताओं ने शोध के दौरान पाया कि पानी का पृष्ठ तनाव ज्यादा होता है, इसलिए ये कान में जाकर फंस जाता है।

बच्चों को होता है ज्यादा खतरा

मस्तिष्क के डैमेज होने का खतरा आमतौर पर छोटे बच्चों में ज्यादा होता है, क्योंकि उनके कान का ट्यूब काफी छोटा होता है, जिसके कारण पानी को बाहर निकालने के लिए ज्यादा तेज झटके की जरूरत होती है। शोधकर्ताओं ने कान में फंसे हुए पानी को निकालने के कुछ आसान तरीके भी बताए हैं।

पानी निकालने का सुरक्षित तरीका

शोधकर्ताओं ने बताया कि सिर को तेजी से झटका देने से बेहतर है कि आप कान में भरे पानी को निकालने के लिए कुछ अन्य उपाय अपनाएं। पानी से कम पृष्ठ तनाव वाले अन्य लिक्विड जैसे- एल्कोहल या सिरका डालने से कान में भरा पानी अपने आप बाहर आ जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्यवधानकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों में लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ होगा। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभीष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरुनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2671

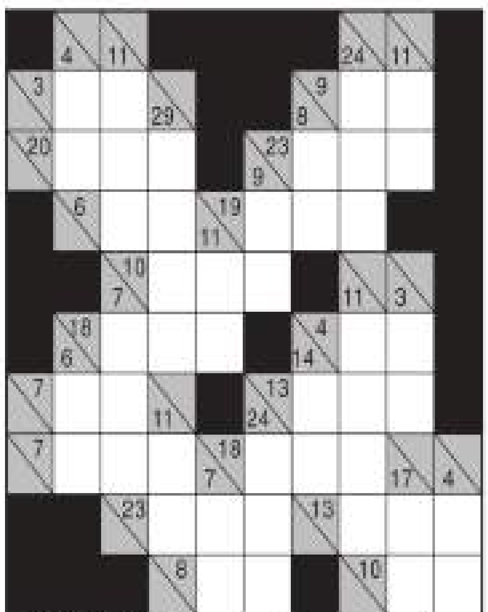

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या में मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

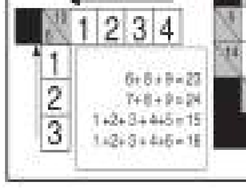

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2670 का हल

हंसी के फूव्वारें

अपराधी का पहला अपराध होने के कारण न्यायाधीश ने उसे क्षमा करते हुए कहा- 'हमें पूरा विश्वास है तुम कभी यहां दिखाई नहीं दोगे.'

हां हजूर, मेरी कोशिश होगी कि पुलिस मुझे न पकड़ सके और फिर कभी मैं यहां न दिखाई दूं.

□ □ □

'अरे यह क्या ? आप कहां से आ रहे हैं ? कपड़े फटे हुए हैं. खून निकल रहा है, सिर पर चोट लगी है. चलो आपको घर पहुंचा दूं.' मित्र ने संवेदनाभरे स्वर में कहा.

नहीं, नहीं मैं घर नहीं जाऊंगा, घर से ही आ रहा हूं, घायल ने शीघ्रतापूर्वक कहा.

□ □ □

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे के स्टेशन मास्टर से शिकायत कि- चालीस मिनट हो गये, ट्रेन अभी तक नहीं पहुँची.

स्टेशन मास्टर ने कहा- घबराइये नहीं, यह टिकट चौबीस घण्टे तक चल सकता है.

□ □ □

क्या आप जानते हैं कि नाव को स्त्रीलिंग क्यों माना जाता है ?

'क्योंकि नाव हवा के साथ-साथ अपना रुख बदलती रहती है.'

□ □ □

शिक्षक: पानी पर मच्छर क्यों बैठते हैं ?

राजीव: इसलिए कि पानी उड़ न जाये.

फिल्म वर्ग पहेली- 2671

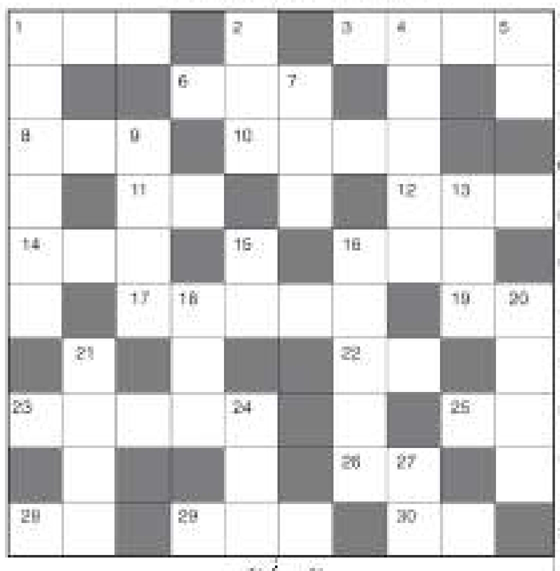

बायें से दायें:-

१. जतिन पंडित, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, वहीदा, जहीदा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेंद्र, हेमा, रीना राय की 'कातिल सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली जे. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुबीर यादव, कुणालकपूर, सम्बू, नसिरु बब्बर की 'ये जिया क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करे' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छमक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारुख शेख, नसीरुद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अभिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई कैद है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अभिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण खेर की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अमृता राव की 'मैं लव तुम्हें' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिंदूरा ही तो हो जिसने' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली अमिताभ, हेमामालिनी की फिल्म-३
९. संजयखान, प्रवीण की 'आ लपक जाते' गीत वाली फिल्म-२,१
१३. 'कभी खुशी कभी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुखार है' गीत वाली सनी, मोहेल, सुनील और अक्षय, गोविंद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2670

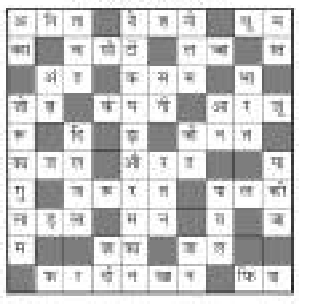

सूडोकु -2671

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2670 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	6	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 2671

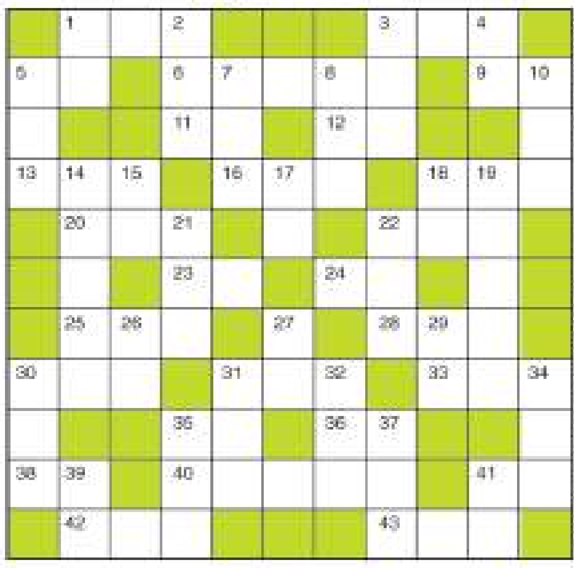

बाएं से दाएं

1. ईश्वर, करतार-3
3. मुस्कुराहट-3
5. ईख-2
6. रजनीगंधा -2,1,2
9. समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11. ताकत, दम-2
12. अभिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13. वेतन, पगार-3
16. मनोनीत, नामकृत-3
18. बंधक, गिरवी वस्तु-3
20. निशा, रात्री-3
22. वचन, प्रतिज्ञा-3
23. श्रीनगर की झील-2
24. मूल्य, कीमत-2
25. असावधान-3
28. धिक्कार, फटकार-3
30. हवा, पवन-3
31. झाड़ग, कुंभ-3
33. चिंतन-3
35. संस्कृत में मेरा-2
36. माता का विलोम-2
38. कुबेर, भूत-2
40. परोपकारी, विलेंद्र की एक फिल्म-5
41. फलों का राजा-2
42. फूल चुननेवाली-3
43. घोड़ों को देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1. तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2. बेकार-3
3. दीवान, खजांची-3
4. पैगंबर, रसूल-2
5. झूठ, मिथ्या -3
7. तेल में पकाना-3
8. आराम, मदद-3
10. गुलिस्ता-3
14. नरकभोगी-5
15. खुजली-2
17. सखा, दोस्त-2
18. मजा, आनंद-2
19. स्वदेशवासी-5
21. सुई (अंग्रेजी-3)
22. विष्णुप्रिया-3
26. पुनः, वापस-2
27. मर्करी, पारद-2
29. भीगा हुआ-2
30. वक्त, टाईम-3
31. अच्छी बुद्धि-3
32. निम्नता-3
34. मुलायम-3
35. बड़ा, विशाल-3
37. धनवान-3
39. नाफी-2
41. उम्मीद-2

शब्द पहेली -2670 का हल

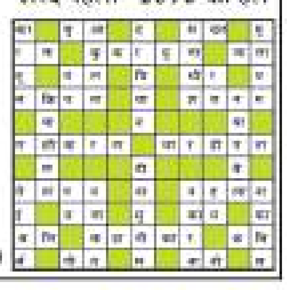

सुदेवा, गढ़वाल और ईमी का विजयी अभियान रहा जारी

नई दिल्ली। फ्यूचर स्टार्स यूथ लीग में खेले गए मैचों में सुदेवा दिल्ली एफसी, गढ़वाल हीरोज, होप्स, ईमी, ग्रोइंग स्टार्स, दिल्ली टाइगर्स, तरुण संघा और जुबा संघा ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत हासिल

की। ग्रोइंग स्टार्स ने लीग की सबसे फिसड्डी टीम सीमापुरी को नौ गोलों से रौंदा, तो गढ़वाल हीरोज ने दिल्ली एफसी को 5-1 से पटखनी दी। सुदेवा और होप्स ने क्रमशः सिग्नेचर और ग्लोरियस को 4-0 से धो डाला।

जूनियर हॉकी विश्व कप: स्पेन से 1-4 से हारा भारत

कुआलालंपुर । भारत को एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में गुरुवार को यहां पूल सी मैच में स्पेन के खिलाफ 1-4 की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। स्पेन दो जीत से छह अंक जुटाकर पूल में शीर्ष पर चल रहा है। कोरिया बेहतर गोल अंतर के कारण भारत से आगे दूसरे स्थान पर है। दोनों टीम के दो मैच में एक जीत और एक हार से तीन अंक हैं। पूल की चौथी टीम कनाडा ने अब तक अपने दोनों मुकाबले गंवाए हैं और उसका अंकों का खाता नहीं खुला है।

भारत अपना आखिरी पूल मुकाबला शनिवार को कनाडा के खिलाफ खेलेगा। उत्तम सिंह की अगुआई वाली भारतीय टीम ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की शुरुआत कोरिया के खिलाफ 4-2 की जीत के साथ की थी लेकिन तकनीकी रूप से बेहतर स्पेन की टीम के खिलाफ उसे हार झेलनी पड़ी। स्पेन की ओर से काब्रे वेरडील पोल (पहले और 41वें मिनट) और राफी आंद्रियास (18वें और 60वें मिनट) ने दो-दो गोल दागे जबकि भारत के लिए एकमात्र गोल रोहित ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर किया।

बिग बैश लीग में रॉकेट मैन की एंट्री, 34 सैकेंड के शो ने जीता दर्शकों का दिल

गाबा । बिग बैश लीग में ब्रिस्बेन हीट फेंचाइजी फैंस के मनोरंजन के लिए मशहूर है। वे गाबा में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ बीबीएल 2023 के शुरुआती गेम के लिए प्रसिद्ध रॉकेटमैन को वापस लाए। प्रशंसक रॉकेट मैन की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। 2016/17 सीजन में पहली बार बीबीएल में रॉकेटमैन को देखा गया था। 6 साल बाद उन्होंने वापसी की। अब पहली पारी के बाद ब्रेक के दौरान प्रशंसकों ने उनका वापसी पर

जोरदार स्वागत किया। ब्रिस्बेन हीट ने उक्त मुकाबला ग्लेन मैक्सवेल की कप्तानी वाली टीम से 103 रनों से गंवा दिया। इससे पहले कॉलिन मुनरो ने 61 गेंदों पर 99 रनों की पारी ने हीट को 20 ओवरों में 214/3 पर पहुंचाया था। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ने 9 चौके और 5 छक्के लगाए। 215 रन का पीछा करते हुए स्टार्स 111 रन पर आउट हो गई। कोई बल्लेबाज अर्धशतक नहीं लगा पाया।विश्व कप विजेता टीम के सदस्य मैक्सवेल और मार्नस स्टोइनिस आगे बढ़ने में असफल रहे। ग्लेन ने 3 ओवर में 44 रन दिए और 23 रन बनाए। स्टोइनिस, जिन्होंने गेंदबाजी नहीं की, ने सिर्फ 2 रनों का योगदान दिया। मिचेल स्वेपसन (3 विकेट), जेवियर बार्टलेट (2 विकेट) और माइकल नेसर (2 विकेट) ने स्टार्स की पारी 15.1 ओवर में समेट दी।

वॉलीबॉल क्लब विश्व चैम्पियनशिप: सदा क्रूज़ेरो वोलेई के खिलाफ हार के बावजूद सनटोरी सनबर्ड्स सेमीफाइनल में

बेंगलुरु। जापान की सनटोरी सनबर्ड्स पुरुषों की वॉलीबॉल क्लब विश्व चैंपियनशिप 2023 के मौजूदा संस्करण के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई है। चार बार के चैंपियन सदा क्रूज़ेरो वोलेई ने गुरुवार रात यहां कोरमंगला इंडोर स्टेडियम में सनटोरी पर 3-2 से जीत दर्ज की लेकिन बावजूद इसके सनटोरी सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। पहली बार प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में खेल रहे सनबर्ड्स सनटोरी ने पूल-बी के अपने दूसरे मैच के तीसरे सेट में चार मैच प्वाइंट बचाए और फिर निर्णायक सेट में भी अंक सुनिश्चित करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सदा भी नॉक-आउट चरण में एक स्थान की तलाश थे क्योंकि उन्होंने चैंपियनशिप के अपने शुरुआती मुकाबले को 25-21, 31-29, 28-30, 22-25, 15-12 से जीतने के लिए समय पर खुद को फिर से संगठित किया और दो मूल्यवान अंक अर्जित किए।

टूर्नामेंट के फॉर्मेट के अनुसार, 3-2 के अंतर से जीतने वाली टीम तीन अंक अर्जित करती है जबकि हारने वाली टीम को भी उनके प्रयास के लिए एक अंक मिलता है। पूल-बी में जो स्थिति है, उसके अनुसार, सनबर्ड्स के पास अब चार अंक हैं, जबकि सदा को शुक्रवार को एक अहम मुकाबले में तुर्की के हल्कबैंक स्पोर कुलुबु का सामना करना पड़ेगा। सदा और सनबर्ड्स के बीच तीसरे सेट के अंत तक ऐसी संभावना असंभव लग रही थी, क्योंकि ब्राजीलियाई टीम अपनी बेहतर स्पाइकिंग की बदौलत पूरे तीन अंक हासिल करने के लिए तैयार दिख रही थी। हालांकि, सनबर्ड्स ने तब धैर्य बनाए रखा जब मूल्यवान अंक अर्जित करना सबसे अधिक महत्वपूर्ण था।सदा, जो अब तक अपने पांच ब्राज़ीलियाई सुपरलिगा मैचों में अजेय रहे हैं, तीसरे सेट में अच्छी स्थिति में दिख रहे थे। उन्होंने पहले दो सेट जीत लिए थे, क्योंकि उन्होंने कुछ क्वालिटी ब्लॉक्स के साथ 14-10 की बढ़त बना ली थी। शुरुआती सेट में लोपेज़ बाई ओर से सदा के लिए सबसे प्रभावशाली स्पाइकर थे, जिन्होंने कुल आठ अंक बनाए और उन्हें सालकैंप और बतिस्ता क्लेडेनिलसन सूज़ा से जो साथ मिला, उसने सनबर्ड्स के कोच कोटा यामामुरा को कोर्ट पर एक और ब्लाकर रखने के लिए सेटर का बलिदान करने के लिए मजबूर किया।

बीसीसीआई ने महिला प्रीमियर लीग के लिए की समिति की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार शाम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए एक समिति की घोषणा की, जो डब्ल्यूपीएल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। समिति विविध पृष्ठभूमियों से आती है और बीसीसीआई का मानना है कि महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए उनकी सामूहिक विशेषज्ञता और जुनून उन्हें महिला प्रीमियर लीग के लिए एक अमूल्य संपत्ति बनाता है। समिति के सदस्य महिला प्रीमियर लीग के विकास और सफलता में योगदान देने के अवसर को लेकर उत्साहित हैं। वे एक जीवंत और प्रतिस्पर्धी माहौल बनाने के लिए हितधारकों, खिलाड़ियों और प्रशंसकों के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं जो महिला क्रिकेट के भीतर की अपार प्रतिभा को प्रदर्शित करता है।

महिला प्रीमियर लीग के लिए समिति के सदस्य इस प्रकार हैं:- रोजर बिन्नी - अध्यक्ष, जय शाह -संयोजक, अरुण धूमल - आईपीएल अध्यक्ष, राजीव शुक्ला - बीसीसीआई उपाध्यक्ष, आशीष शेलार - बीसीसीआई मानद कोषाध्यक्ष, देवजीत सैकिया - बीसीसीआई मानद संयुक्त सचिव, मधुमती लेले, प्रभातेज भाटिया।

जयपुर पिंक पैंथर्स और बंगाल वॉरियर्स ने पीकेएल सीजन-10 का पहला टाई खेला

अहमदाबाद। जयपुर पिंक पैंथर्स और बंगाल वॉरियर्स ने गुरुवार रात ईकेए एरिना बाय ट्रांसस्टेडिया में प्रो कबड्डी लीग सीजन-10 का पहला टाई मुकाबला खेला। यह बेहद मनोरंजक 28-28 से ड्रा रहा। भवानी राजपूत ने जयपुर पिंक पैंथर्स के लिए सुपर-10 दर्ज किया जबकि श्रीकांत जाधव मैच में 7 अंकों के साथ वॉरियर्स के लिए शीर्ष स्कोरर रहे। जयपुर पिंक पैंथर्स ने मैच की शानदार शुरुआत की और शुरुआती मिनटों में वॉरियर्स को एक भी अंक नहीं लेने दिया। वॉरियर्स को अंक दिलाने के लिए श्रीकांत जाधव 'डू ओर डाई' का सहारा लेना पड़ा। वहां से,

वॉरियर्स ने लगातार अंक अर्जित करते हुए मैट पर पिंक पैंथर्स के खिलाड़ियों की संख्या को सीमित रखा। हालांकि जयपुर पिंक पैंथर्स के लिए संख्या मायने नहीं रखती। अंकुश के नेतृत्व में उनकी रक्षापंक्ति ने पहले हाफ में लगातार तीन सुपर टैकल किए जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि उन्होंने ब्रेक के समय तक बढ़त बनाए रखी। जयपुर पिंक पैंथर्स का डिफेंस इतना प्रभावशाली था कि इसने उनके टैकल पॉइंट में 8 टैकल पॉइंट का योगदान दिया और इस तरह हाफ टाइम तक वे 13-9 से आगे थे।

बेंगलुरू एफसी के खिलाफ हेड कोच के झटके से उबरने की कोशिश करेगी मुम्बई सिटी एफसी

बेंगलुरू। मुम्बई सिटी एफसी की टीम एक महीने से अधिक समय के बाद इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 एक्शन में वापस लौट आई है। मुम्बई की टीम आज रात को श्री कांतीरवा स्टेडियम में मेजबान बेंगलुरू एफसी का सामना करेगी। आइलैंडर्स को पिछले महीने तगड़ा झटका लगा, जब उनके हेड कोच डेस बकिंघम मुम्बई सिटी एफसी को छोड़कर स्वदेश लौट गए, जहां वह अपने बचपन के क्लब ऑक्सफोर्ड यूनाइटेड एफसी की बागडोर संभालेंगे। बकिंघम की ब्लू आर्मी के रूप में पहचाने जाने वाले मौजूदा लीग विजेता शील्ड धारकों ने पिछले दो वर्षों में ब्रिटिश रणनीतिकार के आइडिया, फिलोस्फी और खेल शैली को पूरी तरह से अपना लिया था। उन्होंने आइलैंडर्स को बड़ी

सफलता दिलाई। वो लीग में सबसे तेज 100+ गोल करने वाले टीम बनी, और डेस लीग शील्ड जीतने वाले सबसे कम उम्र के कोच भी बने। डेस के जैसा काबिल कोच को ढूंढना कठिन काम होगा, फिलहाल सहायक कोच एंथोनी फर्नांडीस और हियोशी मियाज़ावा अंतरिम आधार पर उनका कार्यभार संभाल रहे हैं। हालांकि, एएफसी चैंपियंस लीग ग्रुप स्टेज के अपने सभी छह मैच हारने के बाद, आइलैंडर्स को इस समय अपने घरेलू वर्चस्व को फिर से हासिल करना है। आइलैंडर्स पूरी तरह से आईएसएल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, जहां वे वर्तमान में पांच मैचों में 11 अंक हासिल करके तालिका में पांचवें स्थान पर हैं। वे शीर्ष पर मौजूद एफसी गोवा (19) से आठ अंक पीछे हैं, जिन्होंने दो अतिरिक्त मैच (7) भी खेले हैं। हालांकि, मुम्बई सिटी एफसी को पता है कि शील्ड की रक्षा के लिए वो अंक नहीं गंवा सकती है। लिहाजा, टीम को मैदान पर अपने कर्तव्यों को त्रुटिहीन ढंग से निभाना होगा और वहीं, ब्लूज मुम्बई सिटी एफसी के कैम्प में अनिश्चितता के इस माहौल का फायदा उठाना चाहेंगे।

श्रीसंत को फिक्सर कहने पर विवाद : पूरे मामले पर गौतम गंभीर ने दिया रिप्लाई

सूरत। सूरत के लालाभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2023 के एलिमिनेटर के दौरान गौतम गंभीर और श्रीसंत तीखी बहस देखने को मिली। पूर्व तेज गेंदबाज श्रीसंत ने आरोप लगाया कि गौतम गंभीर ने उन्हें फिक्सर कहा था। इस पर अब पूर्व क्रिकेटर और पूर्वी दिल्ली से भाजपा के सांसद गंभीर का बयान सामने आया है।

गंभीर ने इस मामले पर एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है। गंभीर ने भारतीय जर्सी में खुद की मुस्कुराती हुई फोटो 'एक्स' पर साझा करते हुए लिखा, 'जब दुनिया का काम ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने का हो तो मुस्कुराते रहो।' गौर हो कि पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने आरोप लगाया कि गौतम गंभीर ने उन्हें यहां लीजेंड्स लीग क्रिकेट के मैच के दौरान 'फिक्सर' कहा। बुधवार को इंडियन कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच एलिमिनेटर मैच के दौरान श्रीसंत और उनके पूर्व साथी गंभीर के बीच तीखी बहस हो गई थी। इसके बाद विश्व कप विजेता खिलाड़ियों को अलग करने के लिए अंपायर को हस्तक्षेप करना पड़ा। श्रीसंत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लाइव आकर कहा, 'यह

लाइव टीवी पर मुझे 'फिक्सर फिक्सर' कहता रहा, तुम फिक्सर हो।' श्रीसंत ने कहा, 'मैंने सिर्फ यही कहा, आप क्या कह रहे हो। मैं मजाकिया अंदाज में हसंता रहा। जब अंपायर उन्हें शांत करने की कोशिश कर रहे थे तो उन्होंने उनसे भी इसी भाषा में बात की।' श्रीसंत पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2013 में स्पॉट फिक्सिंग प्रकरण में उनकी कथित लिप्तता के कारण बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की अनुशासनात्मक समिति ने आजीवन प्रतिबंध लगाया था। लेकिन उच्चतम न्यायालय ने 2019 में इस प्रतिबंध को घटाकर सात साल का कर दिया था। श्रीसंत ने कहा, 'मैंने किसी अपशब्द का इस्तेमाल नहीं किया। कृपया सच का समर्थन करें। वह कई लोगों के साथ ऐसा करता रहा है। मुझे नहीं पता कि उसने यह क्यों शुरू किया और यह ओवर के अंत में हुआ।' उन्होंने कहा, 'अब उनके लोग कह रहे हैं कि उन्होंने 'सिक्सर सिक्सर' बोला है, लेकिन उन्होंने बोला 'यू फिक्सर' तू फिक्सर है। यह बात करने का तरीका नहीं है। मैं इस घटना को यहीं खत्म करने का सोच रहा हूं लेकिन उनके लोग उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आप 'एक्स्ट्रा पेड पीआर वर्क' (अतिरिक्त भुगतान पर जनसंपर्क करने वाले) के झांसे में नहीं आए।'

सिकंदर रजा की शानदार बल्लेबाजी, जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को रोमांचक मुकाबले में एक विकेट से हराया

हरारे (जिम्बाब्वे)। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को तीन मैचों की श्रृंखला के रोमांचक शुरुआती टी20 मैच में आयरलैंड के खिलाफ आखिरी गेंद पर जीत हासिल की। रजा ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में 1-0 से बढ़त दिला दी।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में रोशनी के नीचे खेले गए पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में सिकंदर रजा ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 1-0 से बढ़त दिला दी। दूसरी ओर, रिचर्ड नगारावा, ब्लेसिंग मुजाराबानी और नवोदित ट्रेवर ग्वांडू की तेज तिकड़ी ने अपनी टीम के लिए गेंद से प्रमुख भूमिका निभाई। आयरलैंड ने 20 ओवरों में कुल 147-8 रन बनाए जबकि जिम्बाब्वे 148-9 के कुल स्कोर पर समाप्त हुआ जब ब्लेसिंग मुजाराबानी ने मैच की अंतिम गेंद पर दो रन बनाए जो कि उनके द्वारा सामना की गई पहली गेंद थी। रजा की स्पिन गेंदबाजी ने तीन विकेट लिए, जिसमें आयरलैंड के शीर्ष कप्तान एंडी बालबर्नी भी शामिल थे, जिन्होंने एक छक्का और छह चौकों सहित 32 रन बनाए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए रजा ने 42 गेंदों पर 65 रन बनाए

जिसमें दो छक्के और पांच चौके शामिल थे।

आयरलैंड ने 147 रन का बचाव करते हुए गेंद से सधी हुई शुरुआत की और बैरी मैक्कार्थी को मिड-ऑन पर छकाते हुए तादिवानाशे मारुमानी जल्दी आउट हो गए। फिर जोश लिटिल ने जिम्बाब्वे को और अधिक दबाव में लाने के लिए सीन विलियम्स को भेजा। पावरप्ले को समाप्त करने के लिए बैक-टू-बैक बाउंड्री के साथ रजा ने जिम्बाब्वे की पारी को गति देने में मदद की। जब स्पिन शुरू की गई तो वेस्ली मधेवेरे ने जॉर्ज डॉकरेल को चार रन के लिए रिवर्स-स्वेप किया, लेकिन वह एक गेंद के बाद आउट हो गए। रजा और रयान बर्ल ने जिम्बाब्वे के लिए रन बनाने जारी रखे और 12वें ओवर में गति बदलती दिखी जब रजा ने गैरेथ डेलानी को मिडविकेट पर आउट किया और बर्ल ने 13 रन के ओवर में लॉन्ग-ऑन पर ड्राइव किया। जिम्बाब्वे के कप्तान ने जल्द ही अपना 12वां टी20आई अर्धशतक पूरा किया।

क्लाइव मैडेंडे ने बैरी मैक्कार्थी को छक्का और चौका लगाकर खेल को 19 रन का बना दिया और गेंद को चलाने के लिए पूछने की दर को कम कर दिया। उस समय जिम्बाब्वे एक आरामदायक जीत की ओर अग्रसर दिख रहा था, लेकिन मार्क अडायर ने एक शानदार अंतिम ओवर में ल्यूक जोंगवे और रजा को आउट कर दिया। आखिरी ओवर के ड्रामे के बावजूद जिम्बाब्वे नगारावा, ग्वांडू और मुजाराबानी की बदौलत जीत हासिल करने में सफल रहा। इससे पहले एंडी बालबर्नी के 32 और हैरी टेक्टर (24) और गैरेथ डेलानी (26) के छोटे कैमियो ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आयरलैंड को 147/8 पर पहुंचा दिया।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित, तीन अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के लिए अपनी 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन, तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के और लेग स्पिनर आदि अशोक को शामिल किया गया है।

टॉम लैथम टीम का नेतृत्व करेंगे क्योंकि नियमित वनडे कप्तान केन विलियमसन के साथ टिम साउदी, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर, ग्लेन फिलिप्स और डेवोन कॉनवे को घरेलू सत्र से पहले आराम दिया गया है 13 सदस्यीय टीम में शामिल किए गए ऑकलैंड के 21 वर्षीय अशोक ने अगस्त में यूएई के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था और वह दूसरे और तीसरे वनडे के लिए टीम का हिस्सा होंगे, जब लेग स्पिनर ईश सोढ़ी पहले गेम के बाद नियोजित ब्रेक लेंगे। अशोक

के नाम 18 लिस्ट ए मैचों में 24 विकेट हैं। 26 वर्षीय क्लार्कसन ने 68 लिस्ट ए गेम खेले हैं, जिसमें उनका बल्ले से औसत 32.37 और स्ट्राइक रेट 99.48 रहा है। एक मध्यम गति के गेंदबाज के रूप में, उन्होंने 23 पारियों में 26.55 की औसत और 5.31 की इकॉनमी से 27 विकेट लिए हैं। कैंटरबरी के 22 वर्षीय ओ'रूर्के ने 17 मैच खेले हैं और 23.25 की औसत और 5.01 की इकोनॉमी से 27 विकेट लिए हैं।न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने कहा, इस साल सर्दियों में क्रिकेट की मात्रा और तीव्रता का मतलब है कि हमें खिलाड़ियों के लिए कार्यभार के साथ संतुलन बनाने की जरूरत है, खासकर उन खिलाड़ियों के लिए जो कई प्रारूप खेलते हैं।

टीम 14 दिसंबर को डुनेडिन में इकट्ठा होगी, जहां 17 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ पहला वनडे होगा। दूसरा वनडे 20 दिसंबर को नेल्सन में और तीसरा 23 दिसंबर को नेपियर में होगा।

न्यूजीलैंड टीम

टॉम लैथम (कप्तान), आदि अशोक (मैच 2 और 3), फिन एलन, टॉम ब्लंडेल, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, हेनरी निकोल्स, विल ओ'रूर्के, रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी (पहले मैच के लिए), विल यंग।

विराट कोहली से जलते हैं मोहम्मद हफीज- ब्रायन लारा का आलोचकों को करारा जवाब

नई दिल्ली। भारत आईसीसी विश्व कप 2023 में उपविजेता रहा लेकिन व्यक्तिगत तौर पर विराट कोहली के लिए वह टूर्नामेंट अद्भुत रहा। 35 वर्षीय विराट ने टूर्नामेंट में 11 पारियों में 765 रन बनाए। जिसके चलते वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने। विश्व कप के दौरान उन्होंने तीन शतक भी जड़े। विराट ने इस दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 49 एकदिवसीय शतकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब वह वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले प्लेयर हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों ने विराट के फॉर्म की सराहना की थी लेकिन कुछेक ने उनकी निंदा भी की थी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज इनमें से एक थे। हफीज ने विराट से जान बूझकर मैच में धीमा खेलने का आरोप लगाया था। हफीज

का कहना था कि विराट सिर्फ शतक पूरा करना चाहते थे इसलिए कोई रिस्क न हो इसलिए वह धीमा खेले। जिससे टीम के स्कोर भी प्रभावित हुए। इसी बीच वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा ने विराट कोहली के आलोचकों पर पलटवार किया है। उन्होंने आईसीसी विश्व कप 2023 के दौरान विराट की शैली का बचाव किया। लारा ने कहा कि जो लोग कोहली को स्वार्थी कहते थे, वे उनसे ईर्ष्या करते हैं। लारा ने कहा कि वे (मोहम्मद हफीज) जो ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं कि वह स्वार्थी हैं, संभवतः उनसे ईर्ष्या करते हैं। वे उनके बनाए रनों की संख्या से ईर्ष्या करते हैं। मैंने अपने करियर के दौरान ऐसी ही चीजों का अनुभव किया है। लारा ने यह भी कहा कि केवल विराट ही सचिन के 100 शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच सकते हैं।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 09 दिसंबर 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

फास्ट न्यूज

विजयपुरा, तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में लगे भूकंप के झटके

नई दिल्ली। दक्षिण भारत के दो राज्यों कर्नाटक और तमिलनाडु में आज (शुक्रवार) सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की अधिकतम तीव्रता 3.2 रही। यह जानकारी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार कर्नाटक के विजयपुरा जिले में आज सुबह 6:52 बजे भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 रही। इसके अलावा तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में सुबह करीब 7:39 बजे 3.2 तीव्रता का भूकंप आया।

कच्छ में 4.2 तीव्रता का भूकंप

भुज। गुजरात के कच्छ जिले में शुक्रवार सुबह 9 बजे भूकंप का झटका महसूस किया गया। घरों में कंपन महसूस होते ही लोग बाहर आ गए। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.2 बताई गई है। इसका केंद्र रापर से 19 किलोमीटर दूर था। उल्लेखनीय है कि सौराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों में अक्सर भूकंप आते रहते हैं। कच्छ के साथ राजकोट में भी भूकंप के झटके लोगों ने महसूस किए।

जूनियर महमूद का निधन

मुंबई। अभिनेता जूनियर महमूद नहीं रहे। जूनियर महमूद ने रात दो बजे अपने आवास पर अंतिम सांस ली।। वह पेट के कैंसर से पीड़ित थे। कुछ दिनों से उनकी तबीयत ज्यादा खराब थी। उनका अंतिम संस्कार आज (शुक्रवार) दोपहर बाद सांताक्रूज कब्रिस्तान में किया जाएगा। जूनियर महमूद के निधन की पुष्टि उनके करीबी दोस्त सलाम काजी ने की है। सलाम काजी ने कहा कि 67 वर्षीय अभिनेता जूनियर महमूद को शायद ही कोई नईम सैय्यद के नाम से पुकारता रहा हो। उनका असल नाम यही था। उनका उपचार परेल के टाटा मेमोरियल अस्पताल से चल रहा था। जूनियर महमूद की यादगार फिल्मों में 'हाथी मेरे साथी', 'कारवां' और 'मेरा नाम जोकर' जैसी कई चर्चित फिल्में हैं। उपचार के दौरान अभिनेता महमूद ने अपने पुराने दोस्तों जितेंद्र और सचिन पिलगांवकर से मिलने की इच्छा जताई थी। इसके बाद सचिन और जितेंद्र उनसे मिलने भी गए थे। अभिनेता जूनियर महमूद के निधन से इंडस्ट्री गमगीन है।
नईम सैय्यद को ये पेन नेम दिग्गज कॉमेडियन महमूद ने दिया था। अभिनय के करियर में जूनियर महमूद ने फिल्मों के अलावा टीवी शो में काम किया। इसके बाद संघर्ष, ब्रह्मचारी, दो रास्ते, कटी पतंग हंगामा, छोटी बहू, दादागिरी समेत तमाम फिल्मों में वो नजर आए। सबसे ज्यादा वे राजेश खन्ना और गोविंदा की फिल्मों में दिखे।

चाकू से गोदकर युवक की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

नवादा। नवादा जिला मुख्यालय के केएलस कॉलेज के पास शुक्रवार को एक युवक की हत्या चाकू से गोदकर कर दी गई।
मृतक युवक की पहचान नवादा नगर के शिवनगर मोहल्ला निवासी वासुदेव प्रसाद के पुत्र राहुल कुमार (22वर्ष) के रूप में हुई है।

क्या है 'अमित शाह' का 'जीरो टेरर प्लान'

आतंकवाद के इकोसिस्टम पर प्रहार से उखड़ने लगी दहशतगर्दों की सांस

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए 'जीरो टेरर प्लान' तैयार किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भरोसा है कि इसके जरिए 2026 तक जम्मू-कश्मीर से दहशतगर्दी को उखाड़ फेंका जाएगा। शाह ने कहा कि पहले सिर्फ आतंकवादियों को मारा जाता था, लेकिन अब इसके पूरे इकोसिस्टम को खत्म किया जा रहा है। जीरो टेरर प्लान के तहत ही कम्प्लीट एरिया डॉमिनेशन प्लान बनाया गया है। यह 2026 तक समाप्त हो जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय, हर माह कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करता है। हर तीसरे माह में वे स्वयं वहां जाकर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करते हैं। 2010 में जम्मू-कश्मीर में 2,654 पथराव की घटनाएं हुई थीं, जबकि 2023 में पथराव की एक भी घटना नहीं हुई है।
आतंकी घटनाओं में 70 फीसदी की कमी: केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2023 व जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही है। आतंकवाद के मूल में धारा 370 के कारण खड़ी हुई अलगाववाद की भावना थी। अब धारा 370 खत्म हो चुकी है तो अलगाववाद में भी बहुत बड़ी कमी आ रही है। आतंकी घटनाओं में भी कमी आने लगी है। 1994 से 2004 के बीच कुल 40,164 आतंकवाद की घटनाएं हुईं थी। 2004 से 2014 के बीच इन घटनाओं की संख्या 7,217 रही है। गत वर्षों में इन घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। अब ऐसी घटनाएं 2,197 रह गई हैं। इन घटनाओं में से 65 प्रतिशत, पुलिस कार्रवाई के कारण घटित हुई थी।

अब इकोसिस्टम को खत्म करने पर जोर

शाह के मुताबिक, जम्मू कश्मीर में जीरो टेरर प्लान बनाया गया है। इस पर पिछले तीन वर्षों से अमल हो रहा है। 2026 तक यह जीरो टेरर प्लान पूरी तरह से अमल में आ जाएगा। इसके साथ ही कम्प्लीट एरिया डॉमिनेशन प्लान बनाया गया है। पहले सिर्फ आतंकवादियों को मारा जाता था। अब इसके पूरे इकोसिस्टम को खत्म किया जा रहा है।
टेरर फाइनेंस के तहत एनआईए ने 32 मामले दर्ज किए हैं। ये मामले इसलिए दर्ज हुए हैं, क्योंकि आतंकियों की मदद के लिए पाकिस्तान से पैसा आ रहा था। अब इस फंडिंग पर रोक लगाई गई है। एनआईए द्वारा दर्ज किए गए 32 और एसआईए द्वारा दर्ज 51 मामलों को मिलाकर टेरर फंडिंग के कुल 83 केस दर्ज किए गए हैं। इस तरह के मामलों में 229 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अभी तक 150 करोड़ रुपए मूल्य की 57 संपत्तियों को जब्त कर उन्हें नीलाम करने के लिए अदालत में प्रक्रिया जारी है। 134 बैंक खाते सील किए गए हैं। यहां से 122 करोड़ रुपए जब्त किए गए हैं। 5.5 करोड़ रुपए नकद जब्त हुए हैं।

2023 में एक भी पथराव की घटना नहीं

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, 9 वर्षों में नागरिकों की मृत्यु की संख्या में 72 प्रतिशत और सुरक्षाबलों की मृत्यु की संख्या में 59 प्रतिशत की कमी आई है। साल 2010 में जम्मू और कश्मीर में 2,654 पथराव की घटनाएं हुई थीं, जबकि 2023 में पथराव की एक भी घटना नहीं हुई है। 2010 में 132 ऑगेनाईज्ड हड़तालें हुई थीं, जबकि 2023 में एक भी नहीं हुई। 2010 में पथराव में 112 नागरिकों की मत्यु हुई थी, जबकि 2023 में एक भी नहीं हुई। 2010 में पथराव में 6,235 सुरक्षा कर्मी घायल हुए थे, 2023 में एक भी नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर में इस प्रकार की व्यवस्था की है कि वहां पर अब एक कंकड़ फेंकने की भी हिम्मत नहीं हो रही।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के देहरादून में 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023' के दौरान एक प्रदर्शनी का दौरा किया।

'लोकसभा चुनाव में केंद्र सरकार को बदलने के लिये जनता करेगी वोट'

बाराबंकी। लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जनता महंगाई बेरोजगारी से त्रस्त हो चुकी है। इसलिए जनता इस बार लोकसभा चुनाव में बदलाव के लिए वोट करेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार की रात को सपा नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप के घर एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने बाराबंकी आये थे। उन्होंने हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों को लेकर अखिलेश ने कहा कि इस बार परिवर्तन के लिये जनता ने वोटिंग की है और हम सभी ने उसी का असर देखा। ऐसे में भाजपा की चिंता बढ़नी चाहिये। जनता भाजपा की खोखली बातों में नहीं आने वाली। प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक सब झूठ बोलने वाले हो, उनको जनता वर्ष 2024 में सबक सिखाएगी।

भारत को सशक्त बनाने के लिए मोदी को फिर से बनाना है पीएम

टीम एक्शन इंडिया/श्योपुर
विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के अभियान में जुट गए हैं। विधानसभा चुनाव में जिन जिलों में भाजपा की हार हुई, वहां मुख्यमंत्री ने दौरे शुरू कर दिए हैं। वे बुधवार को छिंदवाड़ा पहुंचे थे और गुरुवार को गुरुवार को उन्होंने श्योपुर में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा सभा चुनाव में श्योपुर की दोनों सीटें हार गए हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा को बहुमत से जिताना है। भारत को सशक्त बनाने के लिए नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना है। उनके नेतृत्व में वैभवशाली, संपन्न, समृद्ध, शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। वे भारत के लिए भगवान का वरदान हैं, हम उनके पीछे खड़े हैं। लोकसभा चुनाव में हम मिशन-29 पूरा करेंगे। प्रदेश में लखपति बहना अभियान शुरू होगा। कोई बहन गरीब नहीं रहेगी, किसी के आगे हाथ नहीं फैलाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कार्यक्रम की शुरूआत लाड़ली बहनों की चरण वंदना कर की और उनका आशीर्वाद लिया। स्व-सहायता समूह की बहनों ने मुख्यमंत्री को 20 फीट लंबी राखी भेंट की, एक लाड़ली बहना ने मुख्यमंत्री को साफा बांधा और गदा भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पवित्र रिश्ता भाई-बहन का है। आज मेरी बहन ने मुझे पगड़ी बांधी है। पहले भाई पगड़ी बांधते थे। पगड़ी का मान और बहनों का सम्मान कभी कम नहीं होने दूंगा। आपको जो गारंटी दी है, वह एक-एक गारंटी पूरी की जाएगी, चिंता मत करना। उन्होंने सभा में कहा कि किसान भाइयों चिंता मत करना, प्रत्येक परिवार एक रोजगार मिलेगा, सरकारी योजनाओं पर काम करेंगे। आप लोगों ने मध्य प्रदेश में फिर से हमारी सरकार बनाने में सहयोग दिया है। जब तक मेरी सांस चलेगी, तब तक मैं आपको आगे बढ़ाने के लिए काम करूंगा।

सम्मान

मुख्यमंत्री को 20 फीट लंबी राखी भेंट की, एक लाड़ली बहना ने मुख्यमंत्री को साफा बांधा और गदा भेंट की।

सपा विधायक के आंदोलन में पहुंचे भाकियू नेता राकेश टिकैत

टीम एक्शन इंडिया/मेरठ
निजी अस्पतालों के खिलाफ सपा विधायक अतुल प्रधान का आमरण अनशन छठें दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। भाकियू नेता राकेश टिकैत ने धरना स्थल पर पहुंच कर आंदोलन को अपना समर्थन दिया। उन्होंने विधायक से अनशन की बजाय आंदोलन करने और आम जनता के हित में डॉक्टरों से भी सस्ता उपचार करने की अपील की। कलक्ट्रेट में चल रहे सपा विधायक के धरने पर शुक्रवार को भाकियू नेता राकेश टिकैत ने कहा कि ऐसे भी अस्पताल बने हैं, जिनके परिवार में कोई डॉक्टर नहीं है। अस्पताल ठेके पर चल रहे हैं। निजी अस्पतालों में एंबुलेंस वाले मरीज भर्ती करा रहे। मेरठ में मुजफ्फरनगर, शामली, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर आदि जिलों से मरीज आते हैं। अतुल प्रधान ठीक मुद्दे को उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन को समिति बनाकर डॉक्टरों और विधायक को बुलाकर मामला सुलझाना चाहिए। चिकित्सा पेशे को व्यापार न बनाया जाए। अनाप-शनाप बिल लोगों से न वसूले जाएं। अनशन की बजाय आंदोलन चलाएं। इस आंदोलन को पूरा समर्थन है। डॉक्टरों के खिलाफ पहली बार आंदोलन हुआ है।

टिकैत ने कहा

भाकियू नेता राकेश टिकैत ने कहा कि ऐसे भी अस्पताल बने हैं, जिनके परिवार में कोई डॉक्टर नहीं है।

'पंच प्रण हर भारतवासी का संकल्प बनना चाहिए'

टीम एक्शन इंडिया/ग्रेटर नोएडा
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा स्थित बैनेट विश्वविद्यालय के पांचवे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें कार्य करना है। पंच प्रण हर भारतवासी का संकल्प बनना चाहिए। जो भी करें देश प्रथम की भावना से कार्य करें। अभिभावक, छात्र, शिक्षक, सुरक्षाकर्मी यानि जीवन के जिस क्षेत्र में आप कार्य कर रहे हैं अपने कर्तव्यों को ईमानदारी पूर्वक पालन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीनकाल में भारत में दुनियाभर के विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। हमारे यहां के विश्वविद्यालयों में हर प्रकार की शिक्षा दी जाती थी। योगी ने कहा कि दुनिया में सबसे अधिक युवा हमारे देश में और देश में सर्वाधिक युवा हमारे प्रदेश में हैं। आज जिसे धर्म कहते हैं वह धर्म का एक पार्ट हो सकता है। उपासना विधि को धर्म नहीं मान सकते। उपासना व्यक्तिगत कार्य है। जो हमारे कर्तव्यों के प्रति और सदाचार का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देता है वास्तव में वही धर्म है।

'खिलाड़ियों का जोश, जज़्बा और हुनर प्रेरणादायी'

टीम एक्शन इंडिया/भोपाल
राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि हार-जीत तो आती जाती रहती है। हौंसला बना रहना चाहिए। परिणाम नहीं प्रयास महत्वपूर्ण होता है। परिणाम बदलते रहते हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों से कहा कि उनका जोश, जज़्बा और हुनर भावी पीढ़ी और संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणा के पुंज हैं। प्रतियोगिता का हर खिलाड़ी अपने आप में विजेता है, जिन्होंने अपनी ज़िद और जुनून से अपनी शारीरिक कमजोरियों को हराया है। राज्यपाल पटेल शुक्रवार को राजधानी भोपाल के कैम्पियन स्कूल के खेल मैदान में आयोजित अस्थिबाधित क्रिकेट टूनामेंट के शुभारम्भ कार्यक्रम में दिव्यांग खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शारीरिक चुनौतियों के बीच स्वरोजगार और रोजगार की विभिन्न गतिविधियों के साथ ही खेलों में भी सक्रिय भागीदारी, स्वाभिमान और स्वावलंबन की दृढ़ इच्छाशक्ति और सामर्थ्य को वह सलाम करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि उनके संघर्ष, एकाग्रता, दृढ़ संकल्प और आत्म विश्वास से समाज को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। दिव्यांग खिलाड़ियों ने साबित किया है कि कोई भी कमजोरी हौसलों से बड़ी नहीं हो सकती है। जीवन में हौसलों, हुनर और हिम्मत से सब कुछ पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मानते हैं कि एक अंग की कमजोरी व्यक्ति की कमजोरी नहीं होती, उन्होंने निःशक्त जनों को दिव्यांगजन नाम देकर उनके प्रति सरकार के भाव और भावना को स्पष्ट किया है।

वृद्ध महिला की फरियाद पर डीएम ने लिया संज्ञान

बिहारशरीफ। दैनिक जनता दरबार में जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने आज शुक्रवार को 25 लोगों की समस्याओं को सुना तथा समस्याओं के निदान हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निदेश दिया। सरमेरा की एक वृद्ध महिला ने बताया कि उनकी जमीन पर दूसरे पट्टीदार द्वारा जबरन घर बनाया जा रहा है। अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी को कार्रवाई का निदेश दिया है। एकंगरसराय के एक परिवादी द्वारा द्वारा बताया गया कि रैयती जमीन की मापी हेतु अंचल कार्यालय द्वारा नाजिर रसीद नहीं काटा जा रहा है।

समीक्षा

समीक्षा बैठक में नेता प्रतिपक्ष के नाम पर भी चर्चा हो सकती है....

हार की समीक्षा में जुटी कांग्रेस, बघेल-बैज, शैलजा बताएंगे वजह

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
छत्तीसगढ़ में मिली बड़ी हार के बाद दिल्ली में कांग्रेस की समीक्षा बैठक हो रही है। जानकारी के मुताबिक, बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस नेता राहुल गांधी हार की समीक्षा करेंगे। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज, प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव और चरणदास महंत भी मौजूद हैं। बैठक में प्रदेश के हालात को लेकर विधानसभा वार विधायकों के हारने की क्या वजह रही?

डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव समेत मंत्रियों के हारने का क्या कारण रहा है, इन विषयों पर चर्चा होगी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष के नाम पर भी चर्चा हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी में संगठन स्तर के बदलाव लोकसभा चुनाव के बाद होंगे। देश में अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव प्रस्तावित है। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की कुल 11 सीटें हैं। 11 में से 9 सीटें बीजेपी के पास हैं, तो वहीं बस्तर और कोरबा लोकसभा सीट कांग्रेस के पास है। फिलहाल कांग्रेस की कोशिश छत्तीसगढ़ में इन सीटों की संख्या बढ़ाने को लेकर ही है। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए महंगाई और बेरोजगारी को मुद्दा बनाकर जनता तक ले जाने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही बूथवार ट्रेनिंग सेशन भी शुरू किया जाएगा। ज्यादा से ज्यादा सीटों पर कांग्रेस मजबूत हो, इसके लिए अलग-अलग अभियान भी चलाए जाएंगे। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि फिलहाल जो हालात हैं, उसे देखते हुए संगठन में बदलाव की संभावना बेहद कम है। अब इसी नेतृत्व के साथ लोकसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कांग्रेस पार्टी कर रही है। न तो प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज बदले जाएंगे और न ही प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा के बदले जाने की कोई संभावना है। क्योंकि चुनाव से ठीक पहले ही प्रदेश अध्यक्ष को बदला गया है। ऐसे तो कांग्रेस पार्टी के 37 विधायक चुनाव हार चुके हैं, लेकिन अगर बात की जाए वोट प्रतिशत की, तो वो केवल 0.86% ही घटा है। ऐसे में पार्टी के नेता नई रणनीति के साथ जनता के बीच जाना चाहते हैं, ताकि लोकसभा के लिहाज से वोट प्रतिशत बढ़ाया जा सके।

भाजपा पर्यवेक्षकों में राजनाथ सिंह, मनोहर लाल व अर्जुन मुंडा के नाम

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लिए पर्यवेक्षकों के नामों की घोषणा कर दी।
राजस्थान विधानसभा के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े और सरोज पांडे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, के लक्ष्मण, आशा लाकड़ा को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ के लिए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सबानंद सोनोवाल और दुष्यंत गौतम को पर्यवेक्षक बनाया गया है।
पर्यवेक्षकों के नामों के एलान के साथ अब मुख्यमंत्री के नामों की भी घोषणा रविवार तक की जा सकती है। माना जा रहा है कि तीनों राज्यों में शनिवार-रविवार को विधायक दल की बैठक बुलाई जा सकती है।